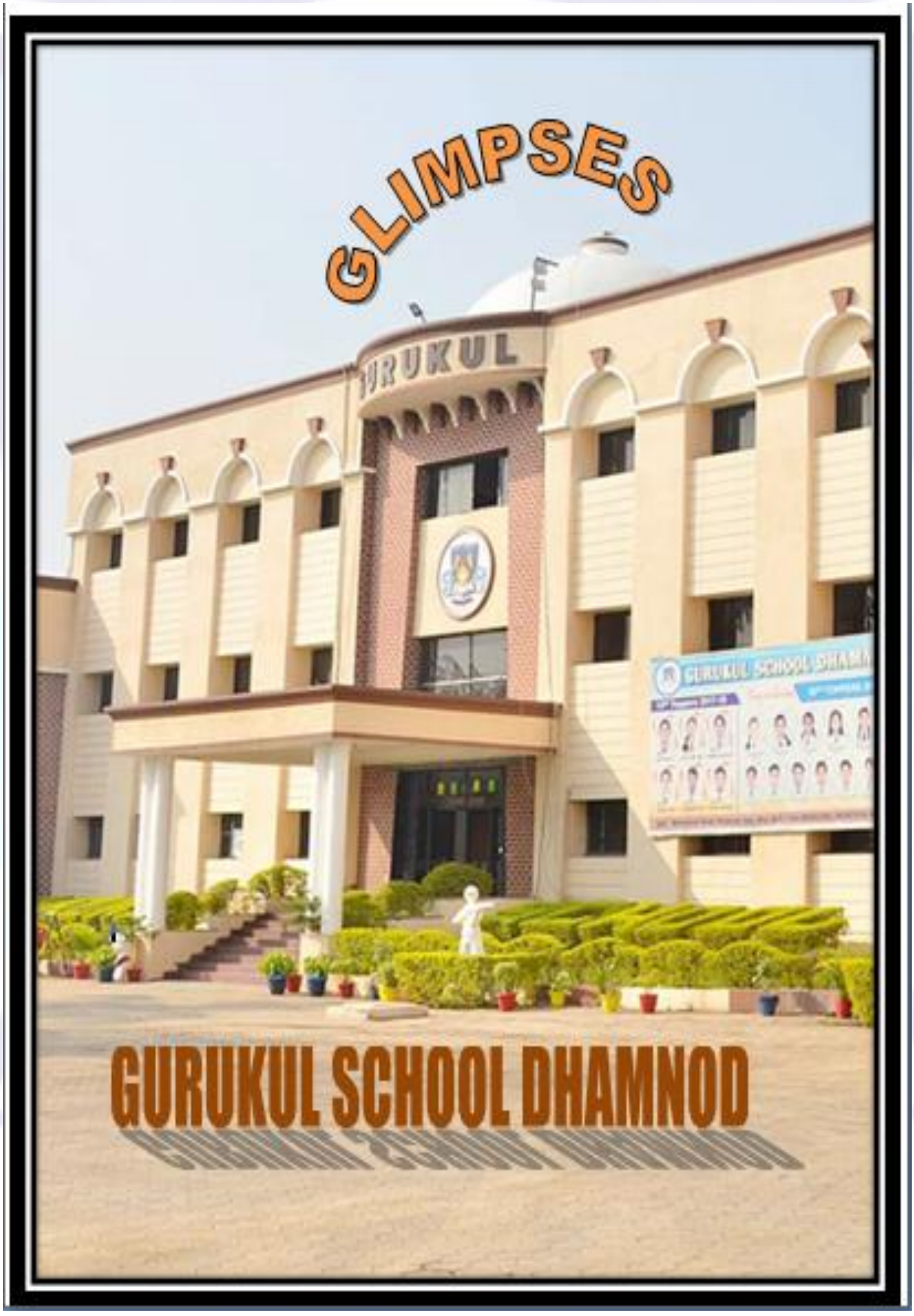
GLIMPSES
GURUKUL
GURUKUL SCHOOL DHAMNOD

INDEX

1. ***प्रार्थना : ईश्वर तू है सबका स्वामी***

   संकलनकर्ता :प्रखर पाटीदार आठवीं 'स'

2. ***Poem : A Smile***

   -Pushp Jain 6th D

3. ***Mr. Lamb – A Positive Thought of Life***

   - Kashish Mittal 12th D

4. ***Poem : The Brain***

   Chesta Patidar 6th D

5. ***कविता: मेरी माँ***

   रिद्धिमा डोंगले दसवीं 'स'

6. ***Story Golden Dream***

   Kalpik Sodani Class : 7th "C"

7. ***कविता : स्वर्णिम् भारत***

   वैष्णवी पाटीदार नौवीं 'स'

8. ***Article on Solar Power: -***

   Harman Saluja 12th D

9. ***Poem : Water Water Everywhere***

   Aarri Malviya 7 'D'

10. ***Poem : Our School***

    Aditi Barve 8 'C'

11. ***कविता : मेहनत***

    नंदिनी पाटीदार नौवीं 'स'

12. ***Story : Blind Trust***

    Parv Patidar Class VI C

13. ***कविता : जिंदगी***

    रश्मि पाटीदार दसवी 'द'

14. ***Story : A Friend Too Good To be True***

    Aakrati Sawant 9th E

15. ***कविता : दुनिया में सबसे प्यारी माँ***

    विंजल अग्रवाल कक्षा – 7 स

16. ***Story : Aary Mystery***

    Daksh Sen, 7th C

17. ***मुक्तक : नारी का अस्तित्व***

    पहल अग्रवाल कक्षा - आठवीं फ

18. ***POEM : Olympic Race***

    Alok Patidar 7th B

19. ***Article : Beyond the Books***

    Asmi Rathode Class XII Maths

20. ***Poem : Eight Habits***

    GhanikaLaad Class: 7th A

21. ***सूक्तियां***

    Bhumika Jat 7th B

22. ***INTERESTING FACTS***

    Princy SolankiClass 6th A

23. ***Article on the Importance of Computer Science***

    Soumya Joshi Class: XII PCM + CS

24. ***Report on My Personal Experience with Python Programming Language in Class 12***

    Jagpal Jhala Class : XII PCM+CS

25. ***Report on My Personal Experience with MySQL in Class 12***

    Kashish Mittal Class: XII Com + CS

26. ***ORGAN DONATION AWARENESS CAMP***

    Pranjal Popale, Harsh Sharma, Hitesh Patil Class: 11 PCB

27. ***REPORT ON COMMERCE QUIZ***

    Sneha Amol Mutatkar Class 11 Com.

28. ***IMPORTANT EVENTS AND ACTIVITIES IN THIS SESSION***

School Management Committees (SMC)

MR. PRAHALLAD BHANDARI
CEO

MR. A.L. MUJUMDAR
DIRECTOR ACADEMICS

DR. SHILPA SHARMA
PRINCIPAL

MRS. MAHIMA SHAH
HEAD MISTRESS

MRS. SHIKHA SHUKLA
CO-ORDINATOR, PRE-PRIMARY

From the Desk of Principal

Learning with conscience is our motto at Gurukul.

It is my privilege to present you the first issue of “GLIMPSES”.

Our mind is like a parachute, it works best when open hence it showcases creativity, literary skills, dreams & talent of hope, optimism with openness. As we move forward & try to find our way in the new emerging world, with the turn of the calendar, the turn of students is enterprising which transcends them to see the world with a higher perspective. Steadfast to balance academic & co-curricular excellence we move ahead crossing every milestone on the path of meaningful learning.

Our E-magazine “GLIMPSES” showcases events, moments, learning & progress at Gurukul. The building talent gets an opportunity to express through Glimpses, strengthen values in life along with academic & literary excellence. Nurturing years of learning experience in the child is reflected in every endeavour of teacher & the taught.

The enthusiastic efforts are sufficient to hold interest to read in the realm of imagination & experience to create a world of aesthetics in words & picture. The magazine represents our spirit to excel, develop and grow in vibrant atmosphere of Gurukul. The world today is growing & moving at an unprecedented speed with new challenges coming its way, every second of the day therefore educators need to pause, think & reflection on the entire system of education.

This issue of *Glimpses* reflects a spectrum of our students’ diverse interests which have blossomed in many hues. As you flip through Glimpses the creativity of our budding writers become evident.

Besides this I would also like to let you know that our school is moving further in the field of imparting education to the new generation with our sister concern at Khargone. I’m very happy to announce opening of Gurukul’s sister concern Bhandari Public International School at Khargone from session 2024-25. I extend my best wishes to all the members of Gurukul Family.

I congratulate Editorial board of student & teachers for their efforts in giving shape to ‘GLIMPSES’.

I wish you a happy reading.

Editorial Message

Dear Readers

Expressing thoughts through the presentation of purpose-driven ideas, one's expressions strive for contentment, joy, and pride in achieving meaningful goals. It serves as an integral part of every human activity, essential for progress and the inevitable enhancement of existence. The medium of expression can be summarized as any action taken to convey a message from one being to another.

Harmony and coexistence form the fundamental basis of our society, unimaginable without dialogue and expression. Without dialogue or expression, neither progress can be made, nor can one become familiar with oneself. Consequently, an existence devoid of expression proves futile.

GLIMPSES is presenting a collection of expressions to its readers. Through various styles, students have showcased their positive sentiments towards the significant aspects of our society, country and the world. Whether through poems expressing positive emotions or stories portraying the common man's feelings near a world war, students have attempted to reveal expectations. Through articles, students have elaborated on their thoughts, providing assurance for the alertness of future generations. This magazine becomes a medium through which our aspiring youth can gain acceptance for their innovative expressions, feel connected to society, and experience satisfaction and pride in their involvement and responsibility.

As you begin reading this, I want to express gratitude to all those who have directly or indirectly contributed to bringing GLIMPSES to you. I request all readers to share their valuable suggestions after reading the magazine, so that this series can be advanced without hindrance. Encourage your children to be inspired by self-study, contemplation, and expression, which are essential pillars for a bright future for all.

Wishing you all the best for the upcoming academic session!

Sanjay Joshi

From Teacher's Desk

उड़ने दो उन्हें परिंदों - सा

-काजल तंवर, PRT

ना करो अपने सपनों से अपने बच्चों की पलकें भारी,
उड़ने दो उन्हें परिंदों सा, बनाओ ना हम-तुम सा लाचारी |
है उसकी आँखों में दिखती, एक आसमां सी ऊंची मंजिल,
छूने दो उस मंजिल को, करो ना अपनी इच्छाओं की अपील |
जोड़ दिया तुमने चार किताबों से, ना जोड़ा संस्कृति से,
क्या कर पाएंगी वह किताबें, जब लिया ना ज्ञान प्रकृति से |
उड़ते हुए परिंदों को ना करो तुम, इस तरह जंजीरों में कैद,
रखो उन्हें परिवार में ही, ना सिखाओ अपने पराए का भेद |
ना बढ़ने दो उनकी इच्छाओं को, तुम उन पर रोक लगाओ,
करने दो सामना मुश्किलों का, हर परिस्थिति में रहना सिखाओ |
जुड़े रहने दो उन्हें अपने सपनों से, उड़ने दो उन्हें परिंदों-सा,
ना चलाओ अपनी मनमर्जी, लहराने दो उन्हें तिरंगे-सा |
करें वह सम्मान हर व्यक्ति का, उन्हें अपना धर्म बतलाओ
संस्कारों और कुशलता से उसे, एक अच्छा इंसान बनाओं ||

काश मैं समझा पाती..... .

श्रीमति अपर्णा श्रीवास्तव , PGT हिन्दी

आज एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल हुई तो मुझे लगा कि एक सज्जन मुझे दूर से पहचानने की कोशिश कर रहे हैं जैसे ही वह पास आये मैं उन्हें पहचान गई | यह तो मेरे पूर्व छात्र दक्ष (परिवर्तित नाम) के पिता हैं उन्होंने विनम्रतापूर्वक नमस्ते किया मैंने भी उत्तर दिया। मैं दक्ष के बारे में जानना चाहती थी, मैंने उनसे पूछा कि दक्ष कैसा है? और वह आजकल क्या कर रहा है ? मेरे प्रश्न को सुनते ही उनके चेहरे पर एक गहरी निराशा आ गई मैं सोचने लगी कि आखिर क्या बात है कि एक युवा पुत्र के पिता के चेहरे पर इस तरह निराशा के भाव मुझे अच्छे नहीं लगे। मैंने पूछा आप जवाब दीजिए कि आखिर क्या बात है ?आप क्या सोचने लग गए? उन्होंने कहा कि दक्ष तो मार्ग से भटक ही गया है वह न तो ठीक ढंग से पढ़ाई कर पाया है और ना ही किसी व्यवसाय आदि में अपना मन लग रहा है । मुझे तो ऐसा लगता है जैसे वह कुछ करना ही नहीं चाहता। मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि ऐसा क्यों हो रहा है? तब मैंने उनसे कहा क्या वास्तव में आप नहीं समझ पा रहे हैं कि ऐसा क्यों हुआ है ? मेरी बात सुनते ही वह एकदम चुप हो गए शायद कुछ सोचने लगे। और मुझे वह दिन याद आया जब कक्षा तीसरी का परीक्षा परिणाम लेने के लिए दक्ष के पिता विद्यालय आए थे रिजल्ट का दिन था सभी बच्चे उत्साहित थे और अपने माता -पिता के साथ विद्यालय आए थे । दक्ष भी अपने पिता के साथ अपना परीक्षा परिणाम को प्राप्त करने के लिए आया था। दक्ष बहुत खुश था वर्ष भर किए गए

परिश्रम का प्रतिफल जो मिलने वाला था। दक्ष तीसरी कक्षा में पढ़ने वाला मेरा होनहार विद्यार्थी था और आज वह अपना परीक्षा परिणाम लेने अपने पिता के साथ आया था वह प्रथम स्थान के साथ कक्षा तीसरी से चौथी कक्षा में पहुँच गया था। मैंने उसके पिता को इसकी बधाई दी और दक्ष के उज्ज्वल भविष्य की कामना की परंतु यह क्या दक्ष के पिता बोले बेटा होशियार है इस चौथी के स्थान पर सीधे पाँचवी में दाखिला दिलाना चाहता हूँ और इस बात पर वह अड़ गए उन्होंने प्राचार्य से संपर्क कर अपने बेटे को तीसरी से चौथी के बजाय सीधे पांचवीं में दाखिल कर दिया। बिना अपने पुत्र की इच्छा को जाने , बिना अन्य शिक्षकों से बातचीत किए अपनी इच्छा को सीधे कैसे दक्ष पर थोप दिया । अब दक्ष पाँचवी कक्षा में पढ़ने लगा उसके मित्र छूट गए कक्षा का नया वातावरण और विषयों में आ रही कठिनाई से उसका प्रदर्शन खराब होने लगा और इस कारण वह धीरे -धीरे पिछड़ गया उसे अब कक्षा में डाँट भी पड़ने लगी । पढ़ाई में पिछड़ा तो संगति बिगड़ी और जब संगति बिगड़ी तो दक्ष के जीवन की दिशा ही बदल गई जो दिशा बदली तो उसकी दशा भी बदल गई। दक्ष के पिता अब पूछते हैं कि इसने पढ़ाई नहीं की और अपना जीवन व्यर्थ कर दिया । परंतु प्रश्न यह है कि उसकी स्थिति का जिम्मेदार कौन है है ?वह प्रतिभाशाली था ,पढ़ना चाहता था परंतु उसकी इच्छा के विरुद्ध वह कार्य किया गया जिसके लिए वह बिल्कुल भी तैयार नहीं था। जब बचपन की कच्ची मिट्टी उसके व्यक्तित्व को बना रही थी तब उसे सहारा ना देकर केवल अपेक्षाएँ रखी गई जिन्हें पूरा न कर पाने के कारण वह भ्रमित हो

दिशाहीन हो गया ऐसे ना जाने कितने दक्ष भटक जाते है! जिस मंजिल पर उन्हें पहुँचना चाहिए वह पहुँच ही नहीं पाते हैं वह सीढ़ियाँ जिनके द्वारा वहाँ भी पहुँच सकते थे उन्हें ही हटा दिया जाता है। मैं आज भी उसकी पीड़ा महसूस करती हूँ और कहीं ना कहीं उसके पिता को उस दिन ना समझ पाने के लिए स्वयं को दोषी मानती हूँ और यही प्रयत्न करती हूँ कि और किसी विद्यार्थी की स्थिति ऐसी ना हो क्योंकि केवल विषय का ज्ञान देना शिक्षक का दायित्व नहीं है अपितु जीवन की दिशा के निर्धारण में अपना महत्वपूर्ण योगदान व सही परामर्श देना , उसके लिए मार्ग प्रशस्त करना एक शिक्षक का दायित्व है। इसके साथ ही साथ माता-पिता का भी यह दायित्व है कि वह बच्चों के भविष्य को लेकर अपनी इच्छाएँ उन पर न थोपें। शिक्षक और पलक मिलकर ही बच्चों के जीवन का कोई निर्णय लें। जिसमें सभी पक्षों पर पूरी बारीकी और गंभीरता से विचार किया जाए।

माँ तेरे बिना

नवीन पाराशर, TGT

सूना सूना लगता घर का हर इक कोना,
है आँगन ये खाली, और पत्थार सब सोना|
अब तो आजा तू माँ, क्यूँ दूर गई मुझसे|
तेरी याद में भीग रहा, इन आँखों का कोना |
सूना सूना लगता.....
सबकुछ मिलता मुझको, तू मगर नहीं मिलती,
माँ प्यालर की ज्यो.त्रिब, इस घर में नहीं जलती,
जगता हूँ मैं रातों को, ना आँख में निंदिया है,
प्या री-सी तेरी लोरी, आँखों में नहीं घुलती|
ढूँढू तुझको पग-पग, कुछ समझ ना आये अब,
जिस राह गई हो तुम, वह राह बता दो ना|
सूना सूना लगता.....
जरा आँचल फेला दे, अपने सर को रख लू,
आँखों से बहा पानी, मन को हल्कार कर लू
फिर कब आओगी तुम, कुछ सब्र दिला दो माँ,
कस कर तुमको अपनी, इन बॉहों में भर लू |
अब ये मत तुम कहना, मैं आ ना पाऊगी,
जब याद मुझे आये, तुमको है तब आना |
सूना सूना लगता घर का हर इक कोना,
है ऑगन ये खाली, और पत्थइर सब सोना|
सूना सूना लगता...

**प्रार्थना **

ईश्वर तू है सबका स्वामी

ईश्वर तू है सबका स्वामी ,
समा सिंधु और अंतर्यामी।
महिमा तेरी अपरंपार ,
तूने दिए वेद उपहार।
तूने सारा जगत बनाया,
अनुपम दृश्य हमें दिखलाया।
सूरज तारे चाँद बनाये,
जल,थल,अनल,पवन प्रगटाये।
न्यायी-न्यायी संत सिंधु सुखवान,
करूणा निधि तू है बलवान।
ज्ञानी-ज्ञानी घट-घटवासी,
तू है निर्विकार अविनासी।
जीवन- मरण सब तेरे हाथ,
अधपत उन्ति तपसान।
चींटी से हाथी तक सारे, जितने जीव-जंतु बेचारे।
देकर सबको दाना-पानी,
रखता है तू उन पर निगरानी।
राई को तू पर्वत करता,
पर्वत राई कर धर देता।
नगरों को तू निर्जन करता,

वन में नगरी सृजन कराता।
ब्राह्मादि जब ध्यान लगाते,
मुनिवर-नारद आदि गुण गाते।
गाते-गाते वे थक जाते,
तो भी न प्रभु तेरा पार न पाते।
हे ईश्वर जगदीश्वर महिमा तेरी अपरंपार

संकलनकर्ता : प्रखर पाटीदारकक्षा आठवीं'स'

A Smile

Pushp Jain 6th D

A Smile is quite a funny thing,
It wrinkles up your face.
And When it's gone
you'll never find
Its secret hiding place.
But far more wonderful it is
To see what smiles can do.
You smile at one,
He smiles at you
And so one smile makes true.

Mr. Lamb – A Positive Thought of Life

-Kashish Mittal 12th D

"Mr. Lamb" is a character from the chapter "On the face of it" an inspiring lesson in my English Core. This character represents a person who sees the world with positive approach.

He is physically disabled but never feels bad about it. Children make fun of him but he accepts that and says that is suits on him.

Just like this, through this article, I also want to convey the same message to all the students that no matter how weak you are in studies, a positive approach is must. This thing only enlightens energy among the students. Lamb was the only person who changed the perspective of Derry.

Another character of the chapter is "Derry" who always has pessimistic approach. But after meeting Lamb, listening about his thoughts Derry changed his perspective and got a remedy to live his life positively.

Just like this, students take lot of pressure from their studies and take it as a burden. They only focus on their academic work and stay away from non-academic things. The perspective of students to think study as a burden should be changed. They should enjoy the process of learning. Rather than taking it negatively, they should enjoy the study process. They should learn the things happily and positively. In the last, I would like to suggest each reader that a positive approach can change the life of a person.

The Brain

Chesta Patidar 6th D

The brain is wider than the sky,
For, put them side by side,
The one the other will include
With ease, and you beside.
The brain is deeper than the Sea
For, hold them, blue to blue,
The one the other will absord,
As sponges buckets do.
The brain is just the weight of God,
For, lift them, pound for pound,
And they will differ, if they do,
As syllable from sound.

मेरी माँ

रिद्धिमा डोंगले X 'C'

उदास होता हूँ तो हँसा देती है माँ,
नींद नहीं आती है तो सुला देती है माँ।
मकान को घर बना देती है माँ,
खुद भूखी रहकर भी मेरा पेट भरती है माँ।
ज़मीं से शिखर तक साथ देती है माँ।
ज़िंदगी में मुश्किलें चाहे कितनी भी हो,
हँस के गुज़र लेती है माँ।
परिवार छोटा हो या बड़ा संभाल लेती है माँ,
मेरी आँखों में छुपी हर एक ख्वाइश को पहचान लेती है माँ।

मेरे हर दर्द को दवा करती है माँ,
मेरी हर खता को माफ कर देती है माँ।
रिश्तों को जोड़ती है माँ,
बीना किसी स्वार्थ के प्यार देती है माँ।
परिवार खुश होता है तब खुश होती है माँ,
तू चाहे सन्तान ना हो उसकी।
फिर भी दुलार देती है माँ ।

Story: **Golden Dream**

Kalpik Sodani Class : 7th "C"

There was a boy whose name was Gopal. Gopal's dream always came true. His brother's name was Madhav. They both studied in the same school. Today, Gopal had a dream that he got a golden egg. He told his dream to Madhav. They both thought that they were going to become rich soon. On their way to school, a man was painting the wall. The paint fell on a hen's egg, and it became golden. They both saw the golden egg and it became golden. They both saw the golden egg placed there. Madhav told Gopal about the egg. Gopal took the egg, and the hen saw this. So, the hen followed them. Before they reached school, the egg cracked, and a small baby hen came out. They were saying this is a baby of a hen. We did not get anything, and it was not a golden egg. The hen took her baby and went from there. When they went to school, they met

the principal. The principal said, "Congratulations, Gopal, you won this golden trophy because you have been the topper in school for seven years." Then Madhav said, "This is your golden egg of the dream."

Moral – Story and imagination make you successful.

स्वर्णिम भारत

वैष्णवी पाटीदार कक्षा- नौवीं 'स'

•मैं उस देश की नागरिक हूँ,
जहां छत्रपति शिवाजी महाराज और सम्राट अशोक जैसा राजा था |
•मैं उस देश की नागरिक हूँ,
जहां झांसी की रानी और अहिल्या बाई जैसी निडर रानियाँ थी।
•मैं उस देश की नागरिक हूँ,
जहाँ सोने की चिड़ियाँ करती हैं डालों पर बसेरा।
•मैं उस देश की नागरिक हूँ,
जहाँ मनाए जाते हैं त्योहारों के मेले।
•मैं उस देश की नागरिक हूँ,
जहाँ पग - पग पर भी नहीं होता है तेरा - मेरा।
•मैं उस देश की नागरिक हूँ,
जहाँ गंगा ,यमुना कल-कल करती बहती हैं
•मैं उस देश की नागरिक हूँ,
जहाँ गर्व से होता है सर ऊँचा मेरा।

Solar Power: An Apt Global Solution for Energy Crises

Harman Saluja XII C

In the modern world where in population and requirements are always increasing, the demand for energy has been on a constant size. In this light, it is not unknown to us that our conventional sources of energy are depleting at an alarming rate. Consequently, the need of the hour to switch to renewable energy sources has time and again been taken up. Finally, we have a solution-solar power.

Solar power or solar energy is the most abundant and readily available source of energy on the earth. As a renewable source of energy, solar power offers various benefits to its users. First, it helps to reduce energy bills significantly. Once the initial installation cost is covered, solar energy is virtually free. Second, solar energy is completely clean and create no pollution. It is carbon free and emits no harmful gases. Hence, it is environment friendly and sustainable. Furthermore, solar energy requires low maintenance. It only needs to be cleaned periodically to remove dust and dirt. It is a onetime investment that has long term benefits solar panels have a lifespan of 20-30 years and they can be used to generate electricity for a long period.

To conclude, solar power is an apt global solution for the energy crises. It is renewable, environmentally friendly and cost-effective. Governments and individuals must take necessary step towards shifting to solar power to ensure a sustainable and greener future. It is high time we realise the importance of renewable energy sources and take action towards creating a bright and cleaner future.

Water Water Everywhere

Aarri Malviya 7D

Water, Water, Everywhere,
To wash my hands and wash my hair
It's nice to drink it by the Pool.
Slurp it; Sip it, nice and cool.
It comes from clouds don't you know
Falls in rain and also snow.
Keep it clean or you will be,
Sick as sick, as sick can be!
We were lucky here on the Earth,
To have clean water to keep us safe & Healthy.
Think of others when you get paid.
And give a bit to water.
Please safe it, save it.

Our School

Aditi Barve 8 'C'

The place of worship is our school.
Here, we learn to face hardship and life.
This is the place where we learn to talk,
How to sit, read, write and walk.

The teachers here are guiding star.
They show us our goal, which is not too far.
They provide us knowledge bit by bit,
And we all are grateful for it.

Principal ma'am is our Godmother
who teaches us to live together.

It is difficult to forget our school;
We are proud with our hearts full.

मेहनत

नंदिनी पाटीदार कक्षा- नौवीं 'स'

• मेहनत बदल देती है सबकी तकदीर,
चाहे वो हो राजा, रंक या फ़कीर।
•मेहनत का सागर लांघो तो, लहर–लहर जयकारा होगा |
तू कोशिश तो कर तेरे साथ खड़ा यह सारा जमाना होगा।
•माँ बाप की खुशी आसमां छू लेगी|
जब मेहनत से तेरी तकदीर बदलेगी।
•तेरी मेहनत के हर चरण पर, यह जमाना तुझे सलाम करेगा|
तेरे छोटे - से गांव का तू नाम रोशन करेगा।
•सफलता की किरण साथ लिए कल सूरज फिर निकलेगा|
फिर कल तू अपने मुक़ाम पर खड़ा मिलेगा।
•यह लड़ाई तुझे आसमान की ऊँचाइयों तक ले जाएगी,
तू मेहनत कर तेरी तकदीर बदल जाएगी।

Blind Trust

Parv Patidar Class VI C

Once upon a time, there was a king named Chandragupta. He had a pet parrot who offered suggestions for his work, becoming the king's favourite. This made the other courtiers jealous. One day, the parrot gave the king a seed of a plant, saying, "Whoever eats the fruit of this plant will become young." The king ordered the soldiers to plant the seed. After several years, when the seed had grown, one fruit fell to the ground, and a snake bit it. A priest picked it up, and after prayers, he gave the fruit as a blessing. Whoever ate it died. The courtiers seized this

chance, telling the king that the parrot was trying to harm everyone. The king believed them and ordered the parrot to be killed.

Years later, a quarrel arose between a worker and his wife, leading to more disputes. Finally, they decided to eat the fruit the parrot had mentioned. After consuming it, they slept beside a tree. Upon waking up, they realized they had become young. They hurried to tell the king. When the king realized that he had killed his best friend for no reason, he felt guilty.

The moral of the story is a profound lesson about the consequences of hasty judgments and misplaced trust. King Chandragupta's downfall is rooted in his quick acceptance of the courtiers' manipulative narrative against the loyal parrot. The king, without verifying the facts or considering the parrot's loyalty, orders its execution. This impulsive decision leads to tragic consequences.

The story teaches us that blind trust in others, especially when driven by jealousy or personal motives, can result in irreversible damage. It highlights the importance of critical thinking, discernment, and the need to evaluate situations carefully before taking action. Additionally, it underscores the significance of loyalty and the devastating outcomes of betraying those who have proven themselves trustworthy.

Ultimately, the moral encourages individuals to weigh the consequences of their actions, consider alternative perspectives, and exercise prudence in decision-making. It warns against being swayed by external influences without proper investigation, emphasizing the value of trust,

loyalty, and the far-reaching impact of choices made in the heat of the moment.

जिंदगी

रश्मि पटीदार X 'D'

कितना सुन्दर था वो ज़माना
कितना सुन्दर था वो बचपन
जब दिल बहुत मासूम हुआ करता था
इच्छा चाँद पे जाने की उसे पाने की थी
पर दिल तो उस छोटी - सी तितली का ही दिवाना हुआ करता था
याद है नानी और दादी से सुनी वो कहानियाँ
पर इच्छा तो उसे हकीकत में पाने की हुआ करती थी
वो बचपन भी कितना हसीन हुआ करता था
वो तितली वो चिड़िया वो पक्षी वो पेड़
कितने खुश हुआ करते थे
दिल करता था दुनिया की हर चीज़ को पाने का
पर खुशी तो उन मिट्टी के खिलौनों में ही मिला करती थी
सच में कितना सुंदर था वो बचपन
अब तो यही ख्याल आता है काश बच्चे ही हुआ करते हम
वो चंदा मामा और सूरज दादा
हर बच्चे को प्यारे हुआ करते थे
कितना सुन्दर था वो ज़माना
कितना सुन्दर था वो बचपन

A Friend Too Good To be True

Aakrati Sawant IXE

It was an ordinary morning. I was getting ready for school. Mom said, "Peter get down here for breakfast."
Dad was reading newspaper mom was making breakfast and Mars my pet was seeing out of the window enjoying wind and wagging his tail.

"The Nazi army has started to subjugate Poland. It is a shame that our government is sitting on backside. They should be deploying military men in target areas by now," said Dad. My parents were worried as my home was in the outskirts of the city which in their opinion had high chances of getting attacked.

In school, everyone was talking about the morning news 2 to 3 hours passed and suddenly school's emergency alarm turned on. Everyone started worrying as we were unaware of what is happening outside. But I think we all were worried about the same thing. It was one of the times I wished I was wrong. The teachers instructed us to go straight to our home. Since my home was in the outskirts of the city, It was a long path for me.

As I was going home, I saw people clamouring and rich people trying to get out of the city by cars. Army had already started to occupy the city. Just then, I heard a sound which still makes my heart tremble. It was Polish Air Alarm. That moment chilled my spine. After avoiding the military, I finally reached home. Mom yelled, "Peter, O God! you are finally here." She continued, "Listen to me. Whatever you do be by our side and if you get lost, reach to the nearest bunker." I replied, "Ok mom, I promise you. Now come Mars." As soon as I said this, Mars grabbed his favourite toy and the home blasted. I didn't got hurt as I was at the safer place than Mom and Dad. Dad said, "Peter run." I knew this is the last word I will ever listen from them. I had a dilemma whether I

should stay there or help Mars who has always been there for me since he came. Then I felt a responsibility to try take care of him. I took his leash and started to search for a bunker.

We decided to get far away from the city but I saw that military men were standing at the outskirts of the city. The whole city was destroyed. People were lying on the ground. I lost hope. The Sun was setting, the only thing that was as beautiful as before. I realized no matter how bad situation gets there is always hope. At that time my hope was Mars. I broke down into tears after seeing him.

Mars was a mischievous dog but seeing me cry by understood the gravity of the situation. He gave me his paw and brought his toy to me. He was trying everything he could to make me feel better. Then Mars started to how I like a wolf and sat on my lap. I remembered the time we first met, his innocent face and all the time we had spent together. No one could have been a greater companion than him. We both hugged each other as bombs were dropped over the city. Luckily, no bomb blasted near us. We were so tired that we didn't even realize when the bombing stopped and we both fell asleep.

I woke up to realize it wasn't a dream. If it was it would have been the worst dream I ever had. As I gained consciousness from deep sleep, I realized Mars was not there. I started to panic. Suddenly I heard a noise; it was coming from the street to the left. My heart started beating faster than ever before. I took courage to check there thinking what worse could happen. As I took a peek hiding behind destroyed building, I saw Mars coming out of smoke. He came near me and I saw a packet of sausage in his mouth. We both ate and played together. I commanded, "Mars sit; back; fetch." I felt like everything is going to be good soon. But this didn't last long.

I saw troopers coming towards us. We hid behind the building. Trooper , " Come out, there is no time to hide. Come or we will open fire." They kept warning for quite a long time. Just then, a trooper came from behind and shot at us. I wasn't aware of it. All I know is that when I turned behind Mars was lying on the ground. The bullet had shot him. Troopers went away from that place after realizing that a child is hiding behind the building.

I tried everything I could, but Mars was lying helpless on my lap. After some time, Polish Military officers came there and took me to a bunker. I heard them saying that the dog is no more. I got to know that my parents were alive but that didn't revive me from the shock.

What loss war brings to innocent people and animals. How much destruction and loss of life is caused for just a piece of land. Peace is our gift to each other. I don't understand why we fight for power because we come here without anything and we go from here without anything. Peace is what should prevail.

Thinking about the day we parted our ways. Your wagging tail always filled me with immense joy and your paws always helped me in sorrow. When you were a puppy, I saw you trying to get your mouth out the puppy cage, that moment never failed to make me laugh. I feel really blessed that I had you as my brother. I am alive because of you. Thank you for saving my life Mars!

दुनिया में सबसे प्यारी माँ

विंजल अग्रवाल कक्षा – 7 स

'' मेरी माँ मेरे जीवन में बहुत अनमोल है
इसलिए मैं आज यह कविता लिख रही हूँ ।''

माँ हमें जन्म देती है, कितने दुख वह सहती है।
चलना हमे सिखाती माँए अच्छी बात बतलाती माँ,
दुनिया मे सबसे प्यारी माँ।
माँ की ममता कभी खत्म नही होती, दुर होकर
भी अपने बच्चे का हाल पूछना नही छोड़ती,
माँ का प्यार अनमोल है, यह प्यार न खोऊ
में, सदा रहूँ मैं तेरे साथ, दुनिया मे सबसे प्यारी माँ ।
बहुत किस्मत वाले होते है वे लोग जिनके पास
माँ है, ज़रा उनसे भी पूछ लो जो बिन माँ है ।
माँ की कदर करना सीख लो क्योकि दुनिया
मे सबसे प्यारी माँ है ।

Aary Mystery

Daksh Sen, 7th C

Once there was a boy named Aary. Aary was very intelligent and brave boy. His father and mother were teachers in a same school. His father always told him that when you will be turned 21, open this box. His father and mother died by accident. Then he lived with his uncle. He took that box along with him. When he turned 21 years old, he opened that box with his uncle. He found a robotic hand in it, then his uncle told him that your mother and father were, not teachers they were scientist in a secreat agency of our country India. This hand is specially designed for you. Once your father had made a time machine he saw in the time machine that aliens are coming to the Earth. So, he made this had for you. You have fight with the aliens. Aary asked his uncle- “Where is that time machine?” Uncle said “Your father had destroyed it.” Aary asked- “But why?” Uncle said that your father thought – “In my absence

anyone can misuse this machine." So, he destroyed the machine. Aary said- "Now I will fight with aliens with the help of robotic hand." Next day aliens came on Earth and Aary fought them and defeated them.

नारी का अस्तित्व

पहल अग्रवाल कक्षा - आठवीं एफ

छोड़ती है अपना बसेरा
जहाँ बीता उसका बचपन
किसी नए का घर बसाने के लिए
फिर भी बनाती है नारी
अपनी एक दुनिया नई
उन्हीं हालातों में शक्ति है उसे
नारी में हर दर्द को हंसकर सहने की
नए रिश्तों को प्रेम भाव से अपनाने की
फिर भी समाज की कुछ नजरे
उसे हर छोटी बात में ठहरती दोषी
अरे!.....
कभी सोचा है नारी अपने लाखों सपनों को छोड़
तुम्हारा घर बसाती है
ईश्वर ने दी है शक्ति नारी को आंसू छिपाने की
आखिर आसान नहीं होता अपने घर से लेना विदाई

तुम्हें इस दुनिया में लाती नारी
देवी मां भी तो नारी है
पूजते हो तुम उनको तो फिर
क्यों करते हो अपने घर की लक्ष्मी का तिरस्कार तुम?
अनेकों किरदार निभाती नारी....
कभी विचार करके देखो.....
पता चलेगा.. ... ...
नारी है तो यह दुनिया है
नारी नहीं तो कुछ नहीं
नारी है तो यह दुनिया है
नारी नहीं तो कुछ नहीं

Olympic Race

Alok Patidar 7th B

Olympic Race

Standing and waiting for the race to start

I am quite nervous

I am going to win.

I fill low and, I wait for gun

Bang! There is goes

We are starting to run.

My heart if pounding . I am going burst

Come on legs keep going

I want to come first.

Just one last effort, I pass the line

Am I first, last, where am I?

What's my time?

I stand on the podium, pround and bold

I am wearing my medal

An Olympic gold.

Beyond the Books: Celebrating Unsung Heroes in Education

Asmi Rathode Class XII Maths

In the field of education, the limelight often gravitates towards students who excel academically. However, it is equally important to shine a spotlight on the unsung heroes who operate behind the scenes, adding unique dimensions to the educational experience. These students are the

ones who excel in communication, advocacy, and creating a positive classroom environment.

In every classroom, there exists a group of students with a remarkable ability to communicate effectively. They serve as connectors, fostering connections among their peers and contributing to the creation of an inclusive atmosphere. Their skill in articulating ideas not only enhances the learning experience but also encourages others to express their opinions. Beyond the pursuit of high grades, some of these students fearlessly advocate for their rights and the rights of their fellow classmates.

A classroom is not merely a static learning space; it is a dynamic arena where humor can act as a catalyst for engagement. These students, armed with confidence and a sense of humor, play a crucial role in creating a fun and enjoyable learning environment. Their ability to infuse humor into the educational setting makes learning a more engaging and interactive experience.

While academic excellence remains a priority for teachers, it is essential to acknowledge and appreciate the contributions of these personalities. They contribute to intellectual learning, ensuring that each student feels heard, respected, and valued. This recognition is crucial in fostering a more holistic and conducive learning environment, where every student has the opportunity to shine in their unique way.

In essence, these unsung heroes go beyond the conventional measures of success, enriching the educational landscape with their interpersonal skills, advocacy, and the ability to infuse joy into the learning process. By acknowledging and celebrating these talents, educators can create an environment where students flourish not only academically but also socially and emotionally.

INTERESTING FACTS

Longest Bridge in India

Princy Solanki Class 6th A

Dhala Sadia Bridge with the total length of 9.15 km, holds first spot on the list of longest bridge in India, followed by Dibang River Bridge. The bridge was inaugurated by PM Damodar Das Narendra Modi. It connecting Assam and Arunachal Pradesh. It is longest River Bridge.

XPOSAT

The X-Say Polarimeter Satellite(XPOSAT) is an Indian Space Research Organisation (ISRO) manufactured space observatory to study polarisation of cosmic X-rays. It was launched on 1 January 2024 on a PSLV rocket, and it has an expected operational lifespan of at least five years SATCAT no.

सूक्तियां

Bhumika Jat 7th B

अतिथि देव भव ।

असतो मा सदग्मय तमसा मा ज्योतिर्गमय ।

तमसो मा ज्योतिर्गमय ।

वसुधैव कुटुंबकम ।

परोपकाराय सतां विभूतयः ।

विद्या विहीन पशु ।

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महानरिपुः ।

अहिंसा परमो धर्मः।

जिता सभा वस्तवता ।

क्लिश्यन्ते लोभमोहिताः ।

Eight Habits

GhanikaLaad Class: 7th A

***Sleeping well**, a routine so neat,*
Waking up on time, making life sweet.
Discipline grows, dreams take their seat,
With restful nights, success is a treat.

***Study every day**, a little routine,*
An hour's focus, a learning machine.
Following a timetable, like a guiding beam,
Learning becomes like a smooth stream.

***Eating healthy**, like a daily feat,*
Nourishing the body with food that's neat.
With nutrients and minerals, a wholesome treat,
Student thrives, learning is complete.

***Hobbies cherished**, a daily delight,*
Playing sports or creating something bright.
Taking time out, feeling light,
Balancing joy with studies so right.

***Meditation and exercise**, a daily chance,*
Keeping a balance, a rhythmic dance.
Mind and body in a harmonious trance,
Benefits plenty, life's enhanced.

***Being positive**, in the darkest night,*
Students' outlook, eternally bright.
Optimism's power, taking flight,
A strong mindset, success in sight.

***Taking breaks**, a moment to renew,*
Regaining energy, focus like dew.
With each break, challenges subdue,

Students' journey, always true.

***Family time**, a treasure so true,*
Spending moments, bonds that grew.
Love and laughter, a support crew,
With family, success she'll pursue.

In the melody of learning, students' song,
Simple habits helping them lifelong.
Eight little steps, making them strong,
In the world of knowledge, where she belongs.

Article on the Importance of Computer Science

Soumya Joshi Class: 12 PCM + CS

Introduction: Computer science is a dynamic and rapidly evolving field that plays a pivotal role in shaping the modern world. This report explores the multifaceted importance of computer science across various sectors and its broader impact on society.

1. Technological Advancements: Computer science drives innovation and technological progress. It underpins the development of cutting-edge technologies such as artificial intelligence, machine learning, and quantum computing, shaping the future landscape of various industries.

2. Economic Impact: The global economy is increasingly dependent on the digital realm. Computer science fuels economic growth by fostering entrepreneurship, creating job opportunities, and enabling the development of digital markets and e-commerce platforms.

3. Automation and Efficiency: Computer science plays a pivotal role in automating routine tasks and enhancing efficiency across diverse sectors. From manufacturing to healthcare, the implementation of computational systems streamlines processes, reducing costs and improving productivity.

4. Information Access and Communication: The digital age thrives on information accessibility and rapid communication. Computer science, through the development of the internet, mobile technologies, and social media, has revolutionized how individuals access information and communicate globally.

5. Scientific Research and Discovery: In scientific endeavors, computer science facilitates data analysis, simulations, and complex modeling. Researchers leverage computational tools to analyze vast datasets, accelerating the pace of scientific discovery in fields such as biology, physics, and environmental science.

6. Cyber Security: As the digital landscape expands, the importance of securing digital assets becomes critical. Computer science provides the foundation for cyber security, safeguarding data, networks, and systems against cyber threats and ensuring the integrity of information.

7. Education and Skill Development: Computer science education equips individuals with crucial skills for the 21st century. Programming, problem-solving, and computational thinking are essential skills that empower students to navigate an increasingly technology-driven world.

8. Innovation in Software Development: The software industry, a significant component of computer science, constantly evolves to meet diverse needs. Software innovations power applications ranging from entertainment and communication to business operations and scientific research. Conclusion: In conclusion, the importance of computer science cannot be overstated. It is the driving force behind technological advancements, economic growth, and societal transformation. Embracing computer science education and leveraging its principles are imperative for individuals, industries, and nations to thrive in the dynamic landscape of the digital age.

Report on My Personal Experience with Python Programming Language in Class 12

Jagpal Jhala Class - XII PCM+CS

Introduction: My journey with Python has been both challenging and rewarding. As a versatile programming language, Python offered a broad spectrum of applications that captivated my interest from the beginning.

Learning Process: Starting with the basics, Python's readability and simplicity eased my entry into programming. My regular school classes, coding exercises, and real-world projects played pivotal roles in consolidating my understanding. The vibrant Python community provided valuable support, fostering a collaborative learning environment.

Challenges Encountered: While Python's readability is an asset, especially in complex projects, posed challenges. Debugging and understanding certain advanced concepts required perseverance and additional exploration.
Projects and Applications: Engaging in diverse projects, MySQL connectivity with Python, broadened my Python proficiency.

Key Insights Gained: Python's versatility became evident as I delved into data science, artificial intelligence, and backend development. The language's rich ecosystem, encompassing frameworks tools like Jupyter, allowed me to tailor solutions to specific needs.

Future Directions: As Python continues evolving, I look forward to exploring emerging libraries and frameworks. Strengthening my grasp on advanced concepts like asynchronous programming and diving deeper into specific domains.

Conclusion: My experience with Python has been transformative, laying a solid foundation for further exploration in computer science. The language's readability, extensive libraries, and vibrant community make it a powerful tool for diverse applications, fostering continuous growth and adaptability.

Report on My Personal Experience with MySQL in Class 12

Kashish Mittal Class - 12 Commerce + CS

Introduction: Embarking on the journey with MySQL has been enlightening, as it played a pivotal role in shaping my understanding of relational databases and data management.

Learning Process: Commencing with the fundamentals of SQL and database design, MySQL's intuitive syntax and extensive documentation facilitated a smooth learning curve.
Challenges Encountered: While MySQL's simplicity is an asset, optimizing queries for performance and tackling advanced database administration tasks presented challenges. Debugging complex queries and mastering the continuous exploration.

Database Design and Management: Applying MySQL in designing databases for various projects enhanced my ability to model relationships and ensure data integrity. Tasks like creating normalized tables, defining constraints, and implementing stored procedures deepened my appreciation for robust database structures.

Real-world Applications: Integrating MySQL with python projects helps me to learn how to handle critical data with the help of database.

Future Directions: As my journey with MySQL continues, I aim to explore advanced topics. Incorporating MySQL in cloud-based environments and diving into emerging trends like NoSQL databases remains on my radar.

Conclusion: My experience with MySQL has been instrumental in developing a solid foundation in relational databases. The hands-on application of SQL principles, coupled with real-world projects, has fortified my ability to design and manage databases effectively. MySQL's robustness and versatility position it as a valuable asset in my ongoing exploration of database technologies.

ORGAN DONATION AWARENESS CAMP

Pranjal Popale, Harsh Sharma, Hitesh Patil Class 11 (Bio)

In an effort to promote awareness and understanding about organ donation, a dedicated team of three biology students – Pranjal Popale, Harsh Sharma and Hitesh Patil from class 11th organized a successful 'Organ Donation Awareness Camp'. The event took place on 10th of December 2023 in school campus on the event of Science Exhibition, attracting an enthusiastic audience of students and parents.

The team meticulously set up informative models showcasing different organs of the human body, enhancing the understanding of the vital role each organ plays. A visually impactful presentation was delivered, shedding light on the significance of organ donation and its potential to save lives.

The camp drew the attention of a substantial number of attendees, with many students and parents actively participating. The engagement strategies included interactive discussions, informative pamphlets and addressing queries from the audience.

The event not only facilitated knowledge dissemination but also sparked meaningful conversations among students and parents about the importance of registering as organ donors. By fostering awareness in the school community, the organ donation awareness camp made a commendable stride towards building a culture of informed decision-making and compassion.

The feedback from the attendees of the Organ Donation Awareness Camp at Gurukul School echoed a positive resonance. Many expressed gratitude for the informative and engaging models that provided a tangible understanding of the human organs. Attendees commended the organizers for delivering a compelling presentation that effectively communicated the critical importance of organ donation. Numerous parents and students acknowledged the camp's role in dispelling myths surrounding organ donation and appreciated the efforts to foster a culture of awareness within the school community. The interactive nature of the camp, including discussions and use of informative material, garnered praise for making a complex topic accessible and actionable. Overall, the reviews highlighted the success of the event in not only imparting knowledge but also inspiring a sense of responsibility and compassion among the attendees.

The 'Organ Donation Awareness Camp' was organized by a team of three biology students from class 11^{th} under the guidance and supervision of honorable Director , respected Principal (Dr. Shilpa Sharma) and Biology teacher (Mrs. Rekha Patel).

PHYSICAL EDUCATION

Pranjal Popale Class 11 (Bio)

Physical Education (PE) plays a crucial role in holistic student development. Beyond theoretical knowledge, practical sessions on the ground are essential to instill physical fitness, team spirit and overall well-being among students.

➝ **Integration of theory and practice:** PE curriculum strikes a balance between theoretical knowledge and the practical application. Classroom discussions cover fundamental concepts, rules and strategies, providing students with a comprehensive understanding of sports they engage in. This integration ensures that theoretical insights learned in the classroom are immediately put into practice on the ground, reinforcing a deeper comprehension of the subject matter.

➝ **Emphasis on mental well-being**: While PE primarily focuses on bodily health, the curriculum also recognizes the intimate connection between physical activity and mental well-being. Practical sessions incorporate activities that promote stress relief, concentration and emotional resilience. This holistic approach acknowledges the symbiotic relationship between physical and mental health, preparing students to navigate the challenges of both academic and personal life.

➝ **Practical approach in class:**

1. **Sports and activities** = PE focuses on a variety of sports and activities, exposing students to diverse physical challenges such as athletics, team sports and individual activities.
2. **Skill development=** Practical classes emphasize skill development, honing techniques and strategies specific to various sports.
3. **Fitness training=** In addition to sports, fitness training sessions are integrated to improve strength, flexibility and overall endurance.

Importance of Physical Education

1. **Health and Fitness-** Physical education promotes a healthy lifestyle, fostering physical fitness thorough regular exercise and sports activities, reducing the risk of lifestyle related disease.
2. **Holistic Development-** It contributes to the holistic development of students by nurturing physical, mental and emotional well being.
3. **Teamwork and Leadership-** Practical sessions on the ground encourage teamwork, leadership and effective communication skills, essential for real world scenarios.

Volleyball Tournament

Engaging in a volleyball court was a testament to the dynamic nature of the sport. Leave me with a profound sense of accomplishment and camaraderie. My volleyball match experience was a mosaic of physical exertion, strategic thinking and the joy of shared achievement. It reinforced the idea that sports beyond their competitive nature, have the power to create lasting memories and foster a sense of community.

Commerce Quiz

Sneha Amol Mutatkar Class 11 Com.

On 2 December 2023 Narmada Sahodaya Schools Cluster conducted a Commerce Quiz and our school got the honour of hosting the quiz, we were lucky enough to get this opportunity. All our teachers got totally invested and worked really hard for the same. Schools which participated in the competition were Adarsh Academy Dhamnod, Shrikanwartara Public Higher Secondary School Mandleshwar, Sandipani Academy Mandleshwar, Drishti Public School Sanawad, Paramount Academy Kasrawad, Gokuldas Public School Khargone, and Education Park Bhikangaon, students of our school also participated in the quiz. There were different rounds in the competition. The first round comprised of MCQ based questions and the teams which qualified this round got the chance to be part of the further rounds. Unfortunately Drishti Public School scored least in this round and they were no more the part of any further rounds. Gurukul school participants also were not allowed to participate any further because we hosted the competition. Then there was a buzzer round in which 6 teams participated after which came the Tagline round in which taglines of famous brands were

displayed on the screen and students had to guess the brand which has that tagline within a given period of time. The next round was guess the image in which logos/ images of famous personality were shown to the participants and they had to guess them in the given time. The last round was the rapid fire round and the teams which were part of rapid fire round were Shrikanwartara Public School and Sandipani Academy. There was tough competition between the two teams but Sandipani Academy managed to secure first position and became winners of the competition. All the schools enjoyed and gave a great feedback about our school.

Such competitions should be promoted and all students must be encouraged to participate in these competitions because we get to learn a lot of things and these also develop our skills. Such kind of competitions hold equal importance as academics . These improve the social skills of a child. Overall it was a great experience and the students got to learn a lot of new things. We hope to be a part of these competitions in the upcoming time as well.

गुरुकुल स्कूल, समाचार पत्रों में

जून 2023

दसवीं और बारहवीं के परीक्षा परिणाम

सीबीएसई ने आज कक्षा दसवीं और बारहवीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये। गुरुकुल स्कूल से कक्षा बारहवीं के कुल 113 छात्र इस परीक्षा में सम्मिलित हुए और 96 प्रतिशत विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंकों के साथ इस परीक्षा को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया। सर्वोत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्रों में वाणिज्य संकाय के निशांत नामदेव 95%,सिल्की पाटीदार 94.8%, व्योम नामदेव 93.4 %,राधिका पाटीदार

92.6 %,पलक महाजन 92%, हर्षिता पाटीदार 91% और जीव विज्ञान संकाय से कृति अग्रवाल 94% , गौरव सोलंकी 85.8 % , अदिति वासक्ले 85.6 % गणित संकाय से राधे तारे 90 % , आदित्य राज सिंह मंडलोई 88.4% , आराध्य लाड़ 87.4% अदिति मंडलोई 87.4 % कुणाल पटेल 85.4% अंक प्राप्त कर विद्यालय के सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्रा रहे।

विद्यालय के कक्षा दसवीं के कुल 161 छात्र इस परीक्षा में सम्मिलित हुए और 118 विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंकों के साथ इस परीक्षा को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं में ऋद्धि जैन 95 % , ओजस शर्मा 92.2 %, अनंत पाटीदार 92.2 % , गौरव जांगिड़ 92.2 % , स्तुति दवे 92% , दर्षिल पटेल 92 %, अनुज पाटीदार 91.8 %, आराध्य अग्रवाल 91.6 %, मैथिली बंसल 90.6 %, निखिल रेड्डी 90.4 %, प्रांजल पोपले 90.4 %, सार्थक पाटीदार 90.4 %, आदित्य राज सिंह तडवाल 90.2 %, प्रथम पाटीदार 90.2 %, ऋषि शुक्ला 90 % अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए।

विद्यार्थियों के समक्ष कोरोना काल के समय से निर्मित हुए कई चुनौतियों का सामना करते हुए विद्यालय ने सदैव उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के लिए कड़ी मेहनत निरंतर करी है इसी का परिणाम है कि इस वर्ष तमाम मुश्किलों के बावजूद भी विद्यालय के कक्षा दसवीं और बारहवीं के छात्रों ने औसत 73% अंकों से इस परीक्षा को उत्तीर्ण किया।

विद्यालय के सीईओ श्री प्रह्लाद भण्डारी, शैक्षणिक निदेशक श्री ए एल मुजूमदार , प्राचार्या डॉ शिल्पा शर्मा ने समस्त विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए समस्त अभिभावकों को बधाइयाँ प्रेषित की हैं।

08/06/2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और क्लास रूम मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण कार्यशाला

आज सभी शिक्षकों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति और क्लास रूम मैनेजमेंट विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न हुई।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के रूप में होलीफैथ , एम बी डी बुक्स नई दिल्ली से आईं रिसोर्स पर्सन और मोटीवेशनल स्पीकर श्रीमती रीति मल्होत्रा प्रोडक्ट मैनेजर ने

उक्त विषयों पर सभी शिक्षकों को प्रेरक और व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया।
विद्यालय के सीईओ श्री प्रह्लाद भण्डारी , शैक्षणिक निदेशक श्री ए एल मजूमदार , प्राचार्या डॉ शिल्पा शर्मा ने मुख्य वक्ता श्रीमति मल्होत्रा का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के रत्नेश कन्वेंशन हाल में किया गया।
कार्यक्रम के प्रथम सत्र में उन्होंने कला मिश्रित एक्सपीरियंशल लर्निंग विधियों का प्रशिक्षण दिया । उन्होंने शिक्षकों से कहा कि तेजी से बदलते परिवेश में इस बात की बहुत आवश्यकता है कि हम स्वयं को निरंतर अद्यतन करते रहें ताकि हमारी रचनात्मक और नवाचारों को प्रयोग में लाने की क्षमता बढ़ती रहे। हमारे बच्चे हमसे अपेक्षा रखते हैं कि हम ऊबाऊ लेक्चर मेथड को छोड़कर चुनौतीपूर्ण रोचक गतिविधियों के साथ छात्रों को पढ़ाई में सहयोग दें। 21वीं सदी की दक्षताओं के बारे में शिक्षकों को समझाते हुए उन्होंने बताया की अब सभी कक्षाओं के प्रश्न-पत्र के स्वरुप में भी बदलाव लाया जा रहा है जिससे छात्रों को रोबोट बनाने वाली रटंत शिक्षा प्रणाली को छोड़कर सही मायनों में सर्वांगीण विकास की ओर ले जाने वाली शिक्षा दी जाएगी।
कार्यक्रम के दूसरे सत्र में श्रीमती मल्होत्रा ने शिक्षकों को क्लास रूम मैनेजमेंट के बेहद उपयोगी टिप्स दिए जिससे ना केवल वे अपनी कक्षा में अच्छे से पढ़ाई करवा सकेंगे बल्कि सामान्य तौर पर कक्षाओं में आने वाली समस्याओं से भी बच सकेंगे।
कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी शिक्षकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। अंत में सभी अतिथियों को विद्यालय प्रबंधन ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर आभार प्रकट किया।

10/08/2023

महिला की सुरक्षा के लिए 'मैं हूँ अभिमन्यु'

'मैं हूं अभिमन्यु' और 'मैं भी कॉप' इन नारों के साथ जोशीले छात्रों ने विद्यालय में पधारे एसडीओपी श्रीमती मोनिका सिंह नवनियुक्त थाना प्रभारी श्री समीर पाटीदार और उनके साथ आई पुलिस विभाग की टीम के समक्ष महिला सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की।

गुरुकुल स्कूल धामनोद में महिलाओं की सुरक्षा हेतू आयोजित अभियान के दौरान उक्त पुलिस अधिकारियों की अध्यक्षता मेे इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय पधारीं एसडीओपी श्रीमती मोनिका सिंह ने अपने प्रेरक उद्बोधन के माध्यम से छात्र-छात्राओं को महिलाओं के खिलाफ़ हो रहे अपराधों की रोकथाम हेतु जागृति लाने के उद्देश्य से बताया कि किसी भी अपराध की शुरूआत में ही उसके विरुद्ध आत्मविश्वास से लिया गया छोटा-सा कदम भी बेहद कारगर होता है। राह चलते किसी मनचले को उसके पहले प्रयास पर ही रोक देने से इस प्रकार के अपराधियों को सफ़लता से खत्म किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को भी इस संबंध में अपनी ज़िम्मेदारी निभाने के लिए कहा कि चाहे कहीं कोई अपरिचित महिला हो हमें उनके सम्मान की रक्षा अपनी माता बहन के सम्मान की रक्षा के समान करना चाहिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को इस संबंध में अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

नवनियुक्त थाना प्रभारी श्री समीर पाटीदार ने छात्रों को सहज लहजे में अपने भीतर मौजूद कॉप को चौकन्ना बनाने की अपील करते हुए कहा कि जिस प्रकार अभिमन्यु ने चक्रव्यूह तोड़ने का काम किया वैसे हमारी जागरूकता और छोटा कदम समाज में बड़ा बदलाव ला सकता है। उन्होंने नशा दहेज रूढ़िवादिता , अश्लीलता, संवेदनशीलता, भ्रूणहत्या, अशिक्षा, लिंगभेद जैसे विषयों को समझाते हुए छात्रों को उनके उत्तरदायित्वों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समाज में अब पुलिस के प्रति सोच में बदलाव आ चुका है और नकारात्मक सोच खत्म हो चुकी है , पुलिस थाने पर महिलाओं की सहायतार्थ महिला पुलिसकर्मी भी मौजूद होतीं हैं जिससे उन्हें सहजता से अपनी समस्या का समाधान मिल जाता है।

एसडीओपी श्रीमती सिंह ने सभी छात्रों को अपना मोबाइल नंबर भी नोट करवाया और निजता के अधिकार, बौध्दिक संपदा के अधिकार आदि अधिकारों के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधन के सीईओ श्री प्रह्लाद भण्डारी, निदेशक श्री ए एल मुजूमदार, लेखा प्रभारी श्री शैलेन्द्र जोशी मौजूद रहे एवं अंत में आभार प्रकट करते हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

24/08/2023

वैज्ञानिकों संगठनों देशवासियों को बधाइयां

इसरो के द्वारा भेजा गया चंद्रयान-3 चंद्रमा की सतह से कुछ ही मीटर ऊपर था और इस समय कार्यक्रम को देखते हुए विद्यालय के सीईओ श्री प्रहलाद भंडारी , निदेशक श्री ए एल मुजूमदार विद्यालय के शिक्षकों और मौजूद छात्रों का जोश चंद्रमा से ऊपर की ऊंचाइयों को छू रहा था। लैंडर विक्रम चंद्रमा की सतह से मात्र 70 मीटर ऊपर रही होगी उस वक्त से लेकर लेंडर के सफलतापूर्वक लैंड हो जाने और इसरो के डायरेक्टर द्वारा अंतिम सफल घोषणा कर देने तक विद्यालय के रत्नेश कन्वेंशन में जारी सीधे प्रसारण को देखते हुए 'भारत माता की जय', 'जय हिंद' और 'वी आर प्राउड ऑफ इसरो' के नारे गुंजायमान होते रहे, तालियां बजती रही।

जहां एक ओर सभी दर्शकों को चंद्रयान-2 की लैंडिंग के समय के अंतिम चरणों में असफल होने की आशंका से भय और चिंता थी वहीं कड़ी मेहनत करने वाले इसरो के और उससे जुड़े संगठनों के वैज्ञानिकों पर पूरे विश्वास के साथ उत्साह चरम पर पहुंच गया था । सभी आश्वस्त थे की कुछ ही पलों में हमारा चंद्रयान-3 देश को विश्व में गौरवान्वित करने वाला है। कार्यक्रम देखने के दौरान विद्यालय के सीईओ और निर्देशक ने इसरो द्वारा विद्यालय में लगाई गई प्रदर्शनी के अनुभवों को छात्रों के साथ साझा किया और इसरो में कार्यरत धामनोद निवासी वैज्ञानिक श्री रवि वर्मा और साथ ही निदेशक ने अपने छात्र नीरज सत्य जो कि इसरो में कार्यरत हैं के बारे में भी छात्रों को बताते हुए इसरो में करियर के बारे में भी छात्रों को बताया। छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम देखा और जानकारी एकत्रित की। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों ने आतिशबाजी की और इस अवसर पर जमकर उल्लासित हुए । विद्यालय प्रबंधन ने इस गौरवशाली और कीर्तिमान रचने वाले अवसर पर समस्त वैज्ञानिकों संगठनों देशवासियों को बधाइयां प्रेषित की।

15/09/2023

हिंदी दिवस पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन

गुरुकुल स्कूल धामनोद में आज विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसमें हिंदी दिवस के अवसर पर छात्रों ने नुक्कड़ नाटक , कविता वाचन , भाषण की

प्रस्तुतियां दी । विद्यालय के शिक्षक श्री विपुल गांवशिंदे ने छात्रों को हिंदी दिवस मनाए जाने का ऐतिहासिक संदर्भ बताते हुए हमारे वर्तमान जीवन में शुद्ध हिंदी के प्रयोग पर बल दिया।

हिंदी भाषा के प्रति सम्मान बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता फैलाने वाले नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कक्षा नवी के छात्र-छात्राओं ने मनोरंजन नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के दौरान कक्षा दसवीं की छात्रा कुमारी प्रियांशी पाटीदार ने शुरू से अंत तक मुहावरों से बनी मनोरंजन कविता का जब पाठ किया तब प्रार्थना सभा कक्ष मैं लगातार तालिया बजती रही।

इस कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इसमें हिंदी भाषा की विविध शैलियों में प्रस्तुतियां दी गई थी जिन्हें न केवल छात्रों ने बल्कि समस्त शिक्षकों ने भी बहुत पसंद किया। कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे विद्यालय के सीईओ श्री प्रहलाद भंडारी ने विद्यालय द्वारा आयोजित होने वाले शैक्षणिक भ्रमण के बारे में छात्रों से चर्चा की।

16/09/2023

भारी बारिश में मानवता की महक

विभिन्न व्यावसायिक और पर्यटन के नगरों को जोड़ने वाले मार्गों को जोड़ने वाले केंद्र के रूप में नगर धामनोद का विशेष महत्व है तो वहीं इस नगर के समृद्ध और सहृदय नागरिकों की सदाशयता और तत्परता इस क्षेत्र की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती हैं। शुक्रवार शाम से जारी भारी बारिश के चलते नदी नाले उफान पर चल रहे हैं कई स्थानो पर जलभराव की स्थिति बन रही है। ऐसे में जनजीवन अस्त व्यस्त हुआ है और सबसे ज़्यादा चिंताजनक स्थिति गरीब तबक़े के लोगों की है जो नर्मदा नदी के किनारों और निचले इलाकों में रह रहे हैं। एनडीआरएफ़ की टीमों ने उनके रहने के लिए आपातकालीन व्यवस्था की है।

ऐसी विकट परिस्थिति में धामनोद के प्रतिष्ठित नागरिकों और समाजसेवियों के साथ गुरुकुल स्कूल की पूरी टीम विद्यालय के सीईओ श्री प्रहलाद जी भंडारी के निर्देशन में पीड़ित मानवता की सेवा में लगी है। इस हेतु शनिवार शाम अपने व्यावसायिक दौरे से लौटते ही श्री भण्डारी ने विद्यालय के मेस में शिक्षकों की

सहायता से 800 भोजन के पैकेट तैयार करवा कर जरूरतमंदों के लिए वितरित करने गए। शनिवार रात्री तक जारी बारिश के चलते आश्रय स्थल पर बड़ी संख्या में मौजूद गरीबों ने भोजन के पैकेट पाकर थोड़ी राहत पाई।
इस विपत्ति ने गरीबों ही नहीं आवागमन करने वाले सभी यात्रियों को भी परेशानी में डाल दिया है। कई स्थानों को जोड़ने वाले मार्ग अवरुद्ध हैं। राजस्थान के टोंक जिले के एक विद्यालय के शैक्षणिक भ्रमण दल के छात्र छात्राओं के साथ शिक्षकों को भी इसी प्रकार की राहत धामनोद में मिली जिनकी होटल की बूकिंग महेश्वर की थी। कारम नदी भी पुलिया के ऊपर से बह रही है इस कारण महेश्वर जाने का रास्ता बंद होने से इस विद्यालय के भ्रमण दल के रात्रि विश्राम हेतु गुरुकुल स्कूल धामनोद में व्यवस्था की गई है। टूर के दौरान इस तरह फँस जाने पर परेशान छात्रों को खेलकूद मनोरंजन के साधन के साथ अन्य व्यवस्थाओं के मिलने से बड़ी राहत महसूस करते हुए उक्त विद्यालय के निदेशक श्री कमलेश शर्मा ने श्री भण्डारी के प्रति आभार प्रकट किया है।

04/10/2023

स्वच्छता ही सेवा

स्वच्छता ही सेवा मिशन के अंतर्गत गुरुकुल स्कूल के छात्रों ने नर्मदा घाट खलघाट , हाट बाजार, मंदिर, टोल प्लाजा, गौशाला इत्यादि स्थानों पर इस अभियान के दौरान श्रमदान किया। प्राचार्या डॉ शिल्पा शर्मा के नेतृत्व में छात्रों व शिक्षकों के दल ने उक्त स्थानों पर जाकर सफाई की। स्थानीय लोगों ने छात्रों द्वारा लिए गए इस कदम की प्रशंसा की।इस दौरान कक्षा बारहवीं के छात्र केशव सोनी , ईशा निंगवाल, दयालस्वरुप चौहान, कृष पाटीदार, प्रिंस जादम, चिन्मय अग्रवाल,अदिति मित्तल कक्षा ग्यारहवीं के छात्र अजय गिरवाल , प्रांजल पोपले, मोक्षी सोडानी, तनिष्का गुप्ता, कृष्णा बघेल, काव्य ठाकुर, प्रद्युम्न शर्मा, गार्गी लाड़,
शुभम चौहान, ऋषि शुक्ला, एवं शिक्षक संजय सोनी , संजय जोशी, दीपक राय, दीपिका तिवारी, संदीप सरोज, पंकज अम्बेकर, चन्द्रशेखर आमगा,पूजा हीरके ने श्रमदान देकर स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

04/10/2023

प्री - प्राइमरी के नन्हें मुन्नेबच्चों का पिकनिक

बुधवार दिनांक 4 अक्टूबर 2023 को प्री- प्राइमरी के नन्हें मुन्नेबच्चों को जलकोटी (महेश्वर) पिकनिक पर ले जाया गया।उक्त कक्षाओं के कुल 325 छात्रों ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में अपने मित्रों के साथ जलकोटी मंदिर परिसर में पिकनिक के दौरान बहुत मज़े किए। पिकनिक पर जाने के लिए सारे बच्चे बहुत उत्साहित थे , बच्चे सुंदर-सुंदर ड्रेस, चश्मा एवम टोपी लगा कर स्कूल पहुंचे।

इस पिकनिक पर बच्चों के साथ गई शिक्षिकाओं ने बताया कि पिकनिक हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को और भी अच्छा बनाता है। छोटे बच्चों के लिए पिकनिक मनोरंजन के साथ छात्रों को स्वावलंबन सिखाने का सबसे बेहतरीन साधन है। शिक्षकों एवम दोस्तों के साथ बच्चों को खेलना ,घूमना,नाचना , गाना हमेशा याद रहता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। उक्त जानकारी प्री प्राइमरी कोऑर्डिनेटर श्रीमती शिखा शुक्ला ने दी।

04/10/2023

रोमांचक यात्रा: प्राणी संग्रहालय व चिड़ियाघर

बुधवार दिनांक 5 अक्टूबर 2023 को Primary Classes के नन्हे-मुन्ने बच्चों को प्राणी संग्रहालय व चिड़ियाघर इंदौर पिकनिक पर ले जाया गया। छात्रों नें इस रोमांचक यात्रा में बड़ी उत्सुकता से चिड़ियाघर में जंगली जानवरों को देखा, छात्रों के साथ गए शिक्षकों ने छात्रों को हमारे पर्यावरण और वन्य प्राणियों के बारे में विस्तार से विभिन्न जानकारी देते हुए शाकाहारी, मांसाहारी, जलचर, थलचर आदि जानवरों बारे में अवगत कराया।

उक्त कक्षाओं के छात्रों ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में अपने मित्रों के साथ चिड़ियाघर में पिकनिक के दौरान बहुत मज़े किए।

छोटे बच्चों के लिए पिकनिक मनोरंजन के साथ छात्रों में समान्य ज्ञान बढ़ाने का सबसे बेहतरीन साधन है। शिक्षकों एवम दोस्तों के साथ बच्चों को खेलना , घूमना, नाचना, गाना हमेशा याद रहता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।

08/10/2023

यादगार दिन: फूड-फिएस्ता

आज फूड-फिएस्ता में छात्रों एवं अभिभावकों ने विभिन्न व्यंजनों के माध्यम से अपनी पाक-कला के प्रदर्शन के साथ उद्यमिता के कौशल व क्षमता को परखा। विद्यालय में आज की मीटिंग छात्रों ,अभिभावकों व शिक्षकों के बीच स्वाद और स्नेहयुक्त संवाद के रूप में यादगार दिन रहा।

छात्रों नें 50 से अधिक फूड स्टाल लगाए। सुबह नौ बजे से आरम्भ हुए फूड फिएस्टा में विद्यालय के लगभग 150 छात्रों ने इन स्टालों के माध्यम से विदेशी व्यंजनों में पिज्जा, बर्गर,पास्ता, सैंडविच, मोमोस के साथ देशी व्यंजनों में गुजराती कौडिय़ां, मक्का बाटी, रायता, निमाड़ी चाट, कटोरी चाट, कचौड़ी, पोहा इत्यादि के अलावा सॉफ्टड्रिंक में मोइतो, टोमेटो सूप, कोल्ड कॉफी, लस्सी, कुल्हड़ लस्सी जैसे कईं स्वादों से दो हजार से अधिक ग्राहकों को लुभाया। प्राचार्या डॉ शिल्पा शर्मा ने बताया कि इन स्टॉलों से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं विद्यालय के खेल-गतिविधि शिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्रों द्वारा की गईं हैं। छात्रों ने एक्सपीरियंशल लर्निंग के जरिए पाक कला के साथ इवेंट मैनेजमेंट , बिजनेस मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सेलिंग स्किल जैसे कईं महत्त्वपूर्ण लक्ष्य हासिल किए। सभी छात्रों ने जबरदस्त उत्साह से काम करते हुए यह सुनिश्चित किया कि उन्हें अपने स्टॉल पर फायदा हो। छात्रों ने अपने व्यंजनों के रोचक नाम जैसे 'राधारानी लस्सी'और 'गिरधर गोपाल दही भल्ले' से ग्राहकों को लुभाया वहीं स्टॉल पर लुभावने ऑफर देकर भी अपनी बिक्री बड़ाकर फायदा कमाया। छात्र समूहों ने अभिभावकों के उत्साहवर्धन हेतू उनके प्रति आभार प्रदर्शित किया।

12/10/2023

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा

आज भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में लगभग सात सौ छात्रों नें हिस्सा लिया। गायत्री तीर्थ-शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा आयोजित करवाई जाने वाली भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा से छात्रों का सामान्य ज्ञान तो बढ़ता ही है साथ ही इस परीक्षा से उन्हें हमारी संस्कृति के अनजाने पक्षों के बारे में भी जानने का मौका

मिलता है। छात्रों को तैयारी हेतू छोटी छोटी पुस्तिका दी जाती है जिनमें उनके स्तर के अनुरूप रूचिकर और ज्ञानवर्धक पाठ्य सामग्री होती है जिनके अध्ययन से छात्रों को हमारी संस्कृति का ज्ञान होता है।
विद्यालय स्तरीय आयोजित उक्त परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को तहसील , जिला और राज्य स्तर पर प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कृत किया जाता है। छात्रों द्वारा बड़ी संख्या में हिस्सा लेने पर विद्यालय के शैक्षणिक निदेशक श्री ए एल मुजूमदार नें उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतू शुभकामनाएँ दी हैं।

14/10/2023

अन्तर-विद्यालयीन खो-खो प्रतियोगिता

क्षेत्र की सीबीएसई स्कूलों के समूह नर्मदा सहोदय क्लस्टर के अंतर्गत वर्षभर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में कृष्णा अकादमी धरगाँव में छात्राओं की अन्तर-विद्यालयीन खो-खो प्रतियोगिता आयोजित की गई। गुरुकुल स्कूल धामनोद नें इस प्रकार की अब तक आयोजित हुई सभी गतिविधियों में जीत का सिलसिला जारी रखा है। 19 वर्ष आयु समूह में गुरुकुल की छात्राओं नें विवेकानंद विद्या विहार (मराल) स्कूल खलघाट , पेरेंट्स प्राइड स्कूल सनावद एवं फाइनल में कँवर तारा स्कूल मंडलेश्वर को पराजित करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के शैक्षणिक निदेशक श्री ए एल मुजूमदार एवं प्राचार्या डॉ शिल्पा शर्मा नें विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाली छात्राओं कक्षा बारहवीं की पायल चौहान,पूर्वा पाटीदार , रानी वास्केल ,इशारानी निंगवाल ,पल्लवी चौहान , कक्षा ग्यारहवीं की गोरांशी पाटीदार ,शिवकन्या मंडलोई , दसवीं की साक्षी पाटीदार , माही सोलंकी, राधिका वास्केल, कक्षा नवीं की मुस्कान अलावा ,श्री पाटीदार को प्रार्थना सभा में मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। प्राचार्या डॉ शर्मा ने छात्राओं की सफलता पर बधाई देते हुए उनके अभिभावकों को भी शुभकामनाएं दीं।

9/10/2023

विधिक साक्षरता कैम्प

आज अपर सत्र न्यायाधीश श्री कपिल वर्मा एवं प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री देवेन्द्र सिंह सोलंकी की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता कैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के रत्नेश कन्वेंशन हॉल में हुआ जहाँ सीईओ श्री प्रह्लाद भण्डारी और निदेशक श्री ए एल मुजूमदार नें अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया।

अपने उद्बोधन के दौरान माननीय श्री वर्मा और श्री सोलंकी ने छात्र छात्राओं को आपराधिक प्रवृत्ति वाले किसी भी व्यक्ति से डरे बिना आत्मविश्वास से रोकना चाहिए। इस सम्बंध में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण करने संबंधी अधिनियम (Protection of Children from Sexual Offences Act – POCSO) को सरल रूप में बच्चो को समझाते हुए न्यायाधीश महोदय ने बताया कि बच्चों और नाबालिगों के साथ अश्लील हरकत करना, उनके प्राइवेट पार्ट्स को छूना या अपने प्राइवेट पार्ट को टच करवाना, बच्चों को अश्लील फिल्म या पोर्नोग्राफिक कंटेंट दिखाना ,बच्चों के शरीर को गलत इरादे से छूना या बच्चों के साथ गलत भावना से की गयी सभी हरकतें गंभीर अपराध हैं इन सभी अपराधों में कड़ी सजा का प्रावधान भी है।किसी भी बच्चे को ऐसी किसी मुसीबत में पड़ने पर तुरंत इस बारे में अपने अभिभावकों को बताना चाहिए और पुलिस अथवा हेल्पलाइन नंबर 1098 पर बता कर अपराधी को सजा दिलवाना चाहिए। इस सम्बंध में एक लघु फिल्म सभी को दिखाई गई। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

27/10/2023

शैक्षणिक पर्यटन: धर्म, इतिहास और देश भक्ति की प्रेरणा

गुरुकुल स्कूल धामनोद के कक्षा छटी से कक्षा आठवीं तक के छात्र शैक्षणिक पर्यटन का आनंद ले रहे हैं। विद्यालय से 25 अक्तूबर को गुजरात के विश्वविख्यात स्टेच्यू ऑफ यूनिटी तथा वहाँ से मात्र 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पोइचा में स्थित नीलकंठधाम की यात्रा संपन्न कर वहाँ की यादों को संजोकर छात्रों और साथ गए शिक्षकों का लगभग 200 सदस्यों का पहला दल आज सुबह लौटा। इस टूर के लिए

300 से अधिक छात्रों के अभिभावकों की प्राप्त सहमति के आधार पर इन्हें दो दलों में शिक्षकों के साथ क्रमशः 25 और 26 अक्तूबर को रवाना किया गया था। 26 अक्तूबर को गुजरात के लिए निकला दल कल दिनांक 28 अक्तूबर को लौटेगा।
हमेशा की तरह इस बार भी छात्रों के साथ गए विद्यालय के सीईओ श्री प्रह्लाद भण्डारी ने बताया कि 2013 में बना भव्य नीलकंठ मंदिर अपनी अनुपम छटा और आधुनिकता के समावेश के कारण बेहद आकर्षक स्थान तो है ही साथ ही स्वामीनारायण गुरुकुल राजकोट द्वारा 105 एकड़ जमीन पर इस भव्य मंदिर की वास्तुकला, बड़े-बड़े उद्यान, भव्य मूर्तियां बच्चों ही नहीं बल्कि हर वर्ग के दर्शकों को आनंद से भर देती हैं। अब तक 4 करोड़ से ज्यादा लोग इस नए धार्मिक स्थल पर आ चुके हैं।इस टूर पर छात्रों के साथ गए शिक्षकों ने बताया कि भारतरत्न सरदार पटेल के जीवन से ना केवल भारत के इतिहास की झलक मिलती है बल्कि छात्रों को स्टेच्यू ऑफ यूनिटी जैसे स्थान राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत कर देते हैं।
नीलकंठधाम में छात्रों ने सहजानंद यूनीवर्स का भी भ्रमण किया। प्राकृतिक वातावरण में बने इस केंद्र ने बच्चों का भरपूर मनोरंजन किया। हरियाली के बीच भगवान की झांकियां , लाइट एंड साउंड शो, मल्टीमीडिया व्यसन मुक्ति शो, टनल ऑफ यमपुरी, मिरर हाउस, थ्री डी फिल्म, नौका विहार, पक्षी घर और एन्जॉय पार्क आदि स्थानों की यात्रा से छात्र अभिभूत हुए और सुनहरी यादों को कैमरे में कैद कर अपने साथ ले कर लौटे।

07/11/2023

मतदाता जागरूकता अभियान

गुरुकुल स्कूल के छात्रों नें आज मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित रैली में हिस्सा लेते हुए नगर में विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं से वोट देने की अपील की।
नगर के टी आई श्री समीर पाटीदार नें बालाजी मंदिर के पीछे एकत्र हुए छात्रों की रैली को हरी झंडी दिखा कर बालाजी मंदिर से रवाना किया।विद्यालय के शिक्षकों द्वारा तैयार किए मतदाता जागरूकता संबंधी गीतों को लाउड स्पीकर पर बजाते और नारों के माध्यम से रैली में लगभग एक हजार छात्रों ने वोट डालने की अपील

की। विद्यालय के छात्रों द्वारा इस अवसर पर मुख्य मार्ग पर मनोरंजक नुक्कड़ नाटक से छात्रों नें दर्शकों से निर्भीक मतदान करने और ईमानदार स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवार के चुनाव के लिए लोगों को प्रेरित किया। रैली बालाजी मंदिर से निकलकर मुख्य मार्ग से होते हुए अपने विद्यालय पहुंचीं। रैली में छात्रों के साथ शिक्षकों के साथ ही विद्यालय प्रबंधन के सभी सदस्य भी सम्मिलित हुए ।

25/11/2023

इंडस्ट्रियल विजिट

गुरुकुल स्कूल धामनोद के कक्षा बारहवीं के वाणिज्य संकाय के छात्रों को आज निमरानी स्थित अडानी विलमर उद्योग ले जाया गया। छात्रों नें इस इंडस्ट्रियल विजिट के दौरान इंडस्ट्री के अधिकारियों से उत्पाद की प्रक्रिया , सप्लाई के विभिन्न पक्षों के संबंध में जानकारी हासिल की।

वहीं विद्यालय के विज्ञान संकाय के छात्रों को इसरो के वैज्ञानिक श्री रवि वर्मा से परिचर्चा का अवसर मिला। श्री वर्मा ने अपने संबोधन के दौरान छात्रों को देश की प्रतिष्ठित संस्था इसरो के स्थापना से अब तक की उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने वीडियो के माध्यम से छात्रों को राकेट प्रक्षेपण की जटिलताओं और बारीकियों के पीछे काम कर रहे वैज्ञानिक सिद्धांतों के साथ उपग्रहों का हमारे जीवन में उपयोगिता समझाई। चन्द्रयान के प्रक्षेपण के वीडियो के साथ उन्होंने उक्त उपग्रह से भेजी तस्वीरें दिखाया और इस बड़ी सफलता से भविष्य में होने वाले लाभों और सम्भावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।श्री रवि वर्मा ने छात्रों से अपनी जिज्ञासा बढ़ाने का आह्वान किया और छात्रों से कहा कि इसरो और स्पेस साइंस से संबंधित किसी भी प्रकार की जिज्ञासाओं के समाधान हेतू वे छात्रों के बीच पुनः उपस्थित होंगे। विद्यालय प्रबंधन की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह देकर उनके प्रति आभार प्रकट किया।

26/11/2023

गुरुकुल की शानदार जीत

नर्मदा सहोदय स्कूल क्लस्टर द्वारा आयोजित की जाने वाली अंतर विद्यालय प्रतियोगिताओं में गुरुकुल स्कूल धामनोद का जीत का सफर निरंतर जारी है। इसी क्रम में कल बड़वाह के नर्मदा वैली इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित बास्केटबॉल प्रतियोगिता में गुरुकुल स्कूल की अंडर-19 के बॉयज और गर्ल्स की टीम ने अपने-अपने मैचो में दमदार खेल के द्वारा प्रतिद्वंद्वी टीमों को बड़े अंतर से हराते हुए उक्त दोनों प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की।

गर्ल्स अंडर-19 बास्केटबॉल टीम ने फाइनल मैच में नर्मदा वेली को 12-2 से हराकर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 बॉयज की टीम ने फाइनल मुकाबले में आदर्श स्कूल को 31-8 के बड़े अंतर के साथ हराकर धमाकेदार जीत के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी छात्रों और उनके स्पोर्ट्स कोच को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी।

02/12/2023

अन्तरविद्यालयीन कॉमर्स क्विज़ की मेजबानी

गुरुकुल स्कूल धामनोद में आज अन्तरविद्यालयीन कॉमर्स क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की गई।

नर्मदा सहोदय स्कूल क्लस्टर के तत्वावधान में आयोजित उक्त प्रतियोगिता में क्लस्टर में सम्मिलित दस विद्यालयों से प्रविष्टियां प्राप्त हुई। प्रतियोगिता हेतू छह विद्यालयों से प्रत्येक से चार छात्रों की टीम ने प्रतियोगिता के प्रथम चरण में लिखित परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करते हुए द्वितीय चरण में प्रवेश किया। द्वितीय चरण में क्विज़ के विभिन्न स्तरों के दौरान छात्रों से अर्थव्यवस्था , व्यापार, उद्योग, बैंकिंग,मार्केटिंग, ब्रांडिंग आदि कॉमर्स से जुड़े प्रश्नोत्तर किए गए। गुरुकुल स्कूल के छात्रों नें प्रथम चरण क्वालीफाई कर लेने के पश्चात स्वयं को प्रतियोगिता से हटाने का निर्णय लिया इससे एक अन्य स्कूल को द्वितीय चरण हेतु क्वालीफाई करने का मौका मिला।मेजबानी कर रहे है विद्यालय के छात्रों द्वारा लिए इस निर्णय की अतिथियों नें प्रशंसा की।

प्रतियोगिता में सान्दीपनि अकादमी प्रथम और श्री कंवर तारा पब्लिक स्कूल द्वितीय रहे। विद्यालय के शैक्षणिक निदेशक श्री ए एल मजूमदार और प्राचार्या डॉक्टर शिल्पा शर्मा ने विजेताओं को सम्मानित किया।

10/12/2023

कौशल, ज्ञान और विज्ञान प्रदर्शनी का सफल आयोजन

गुरुकुल स्कूल धामनोद में आज छात्रों ने अपने अभिभावकों के समक्ष अपने विषयों से संबंधी विभिन्न संकल्पनाओं की समझ एवं रुचि के अनुरूप माडल चार्ट इत्यादि बनाकर विद्यालय में आयोजित प्रदर्शनी में पधारे अन्य सभी अभिभावकों से रूबरू हुए । अभिभावकों ने इस अवसर पर ना केवल छात्रों की विषय संबंधी ज्ञान की परीक्षा ली वरन स्वयं को भी ज्ञानवर्धक रोचक जानकारियों से समृद्ध किया । अभिभावकों ने छात्रों द्वारा प्रदर्शित विज्ञान विषय के जटिल सिद्धांतों पर छात्रों द्वारा बनाए गए चलित व स्थिर मॉडलों के संबंध में सवाल जवाब किए और छात्रों से संतुष्टिदायक उत्तर पाकर उनका जी भरकर मनोबल बढ़ाया। अभिभावकों ने छात्रों द्वारा प्रदर्शित उपग्रह प्रक्षेपण, लैंडिंग, दूरस्थ ग्रहों से जानकारी भेजना,इत्यादि जटिलताओं को समझा और चंद्रयान मंगलयान के मॉडलों को सराहा और अंधविश्वास के विरुद्ध जागरूकता के संदेश देने वाले नाट्य मंचन को विशेष रूप से सराहा । इसी अवसर पर विद्यालय प्रांगण में छात्रों ने विभिन्न पकवानों के स्टॉल लगाए और अपने व्यंजनो के विक्रय से पाक-कला को परखा और आय अर्जित तो की ही साथ ही अपने उद्यमिता कौशल को निखारने की दिशा में भी महत्वपूर्ण आत्मविश्वास हासिल किया । यही नहीं छात्रों ने आज अपने गायन वादन और नृत्य कौशल का भी प्रदर्शन किया । अभिभावकों ने छात्रों को जमकर सराहा और उनका मनोबल बढ़ाया । छात्रों की पढ़ाई संबंधी चर्चा के साथ उनकी अन्य क्षेत्रों में हो रही प्रगति के बारे में संवाद हेतु विद्यालय द्वारा पालक-शिक्षक मीटिंग का आज आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ । इस दौरान शिक्षकों ने छात्रों की आगामी परीक्षा की तैयारियों और अब तक हुई छात्रों की प्रगति के संबंध में भी अभिभावकों से विस्तृत चर्चा की । विद्यालय के सीईओ श्री प्रहल्लाद भण्डारी ने छात्रों और शिक्षकों के सम्मिलित प्रयासों और अभिभावकों के सहयोग और उत्साहवर्धन हेतु

सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय परिवार की प्रतिबद्धता जाहीर की ।

15/12/2023

भंडारी पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल का उद्घाटन

लगातार 20 वर्षों से गुरुकुल स्कूल धामनोद की सफल संचालन के अनुभव के साथ विद्यालय प्रबंधन के सीईओ श्री प्रहलाद भंडारी ने खरगोन में भी एक उच्च स्तरीय सुविधाओं से संपन्न इंग्लिश मीडियम स्कूल , भंडारी पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल का उद्घाटन विधिवत किया। इसके साथ ही इस बहु प्रतीक्षित विद्यालय में कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के छात्रों के प्रवेश की प्रक्रिया आरंभ हो गई है।

खरगोन के नजदीक राजपुरा रोड पर निधिवन के सामने 10 एकड़ भूमि खंड पर इस विद्यालय के भवन और अन्य संरचनाएं जैसे एम्फी थियेटर ,खेल के मैदान , शिक्षक निवास भवन इत्यादि निर्माणाधीन है और सत्र 2024-25 से यह विद्यालय कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के छात्रों को प्रवेश देकर अध्यापन आरंभ कर देगा।

श्री प्रहलाद भंडारी ने बताया कि नवीन शिक्षा प्रणाली के लागू होने तेजी से हो रहे हैं तकनीकी विकास और प्रतिस्पर्धात्मक चुनौतियों के साथ समाज और देश की विद्यालयों से अपेक्षाओं में बड़ा बदलाव आ चुका है। ऐसे समय में हमारी आगामी पीढ़ी को ना केवल शैक्षणिक दृष्टि से बल्कि शारीरिक , भावनात्मक, आध्यात्मिक आदि स्तरों पर भी मज़बूत बनने की आवश्यकता है। परंपरागत शिक्षण के साथ छात्रों को उनकी दक्षता व कौशलों के विकास हेतु उन्हें उपयुक्त सुरक्षित , उत्साहवर्धक और विचारोत्तेजक वातावरण निरंतर उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इस उद्देश्य के साथ गुरुकुल स्कूल में भी आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों से हमे उत्साहजनक परिणाम मिले हैं और इन्हीं अनुभवों के साथ हमारे नवीन प्रतिष्ठान भंडारी पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल में न केवल आधुनिक संसाधनों से सज्जित लैबोरेट्रीज और कक्षाएं हैं बल्कि अनुभवी शिक्षकों की नियुक्ति भी इस हेतु की गई है ।

उन्होंने बताया कि नवीन छात्रों के प्रवेश हेतु विद्यालय का सिटी ऑफिस खरगोन नगर के राधावल्लभ मार्केट में नित्य खुला रह रहा है ।

19/12/2023:

मीत पाटीदार ने दिए सफलता के मूलमंत्र

'साहस, त्याग, निष्क्रमण, एकाग्रता, तमक (पेशन) ,भूख और अनुशासन आपको जीवन में कभी भटकने नहीं देंगे।' -मीत पाटीदार, एन डी ए

गुरुकुल स्कूल धामनोद में आज विशेष प्रार्थना सभा में विद्यालय के पूर्व छात्र मीत पाटीदार का सम्मान किया गया। मीत का हाल ही में नैशनल डिफेंस अकादमी मे चयन हुआ है और अब वे चार वर्षों की ट्रेनिंग के पश्चात देश की सेना मे ऑफिसर बनकर

30/12/2023

सड़क सुरक्षा के उद्देश्य से बैठक का आयोजन

गुरुकुल स्कूल धामनोद में परिवहन विभाग द्वारा सभी अशासकीय संस्था संचालकों की बैठक आयोजित की गई ।सड़क सुरक्षा एवं छात्रों के सुरक्षित आवागमन के उद्देश्य से इस बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर के थानेदार श्री समीर पाटीदार ने , नायब तहसीलदार श्री पटेल , बी आर सी श्री बामनिया ने की। विद्यालय के सीईओ श्री प्रह्लाद भण्डारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

श्री पाटीदार ने सड़क पर सुरक्षित और सुचारू रूप से यात्रा के संबंध में विस्तृत जानकारी व निर्देश देते हुए कहा कि संचालकों को हेवी लाइसेंस युक्त अनुभवी ड्राइवर नियुक्त करना आवश्यक है। साथ ही बसों को सभी तरह से फिट रखते हुए छात्रों का परिवहन किया जाना चाहिए । उन्होंने संचालकों से अपने चालक - परिचालकों को यातायात के नियमों का अनिवार्यतः पालन करने हेतू निर्देशित करने, बसों को नियत रफ्तार से चलाने, ओवरटेक ना करने हेतू निर्देशित किया। श्री पाटीदार ने पिछले दिनों हुए भयानक हादसों का उल्लेख करते हुए फूडी चौराहे , गुजरी चौराहे, दहीवर पुल जैसे पुलों, पर विशेष सतर्कता से वाहन चलाने के निर्देश देने के साथ संचालकों से अपील की कि वे समय-समय पर अपने ड्राइवरों की आकस्मिक जाँच भी करते रहें।

08/01/2024

पैरेंट्स डे सेलिब्रेशन

गुरुकुल स्कूल धामनोद में कल प्री-प्राइमरी के 317 छात्रों के लिए पैरंट्स डे सेलिब्रेशन का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्वलन कर एसडीओपी श्रीमती मोनिका सिंह की अगुआई में विद्यालय के अध्यक्ष श्री नरसिंह भंडारी , सीईओ श्री प्रहलाद भंडारी विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य श्री वल्लभ भंडारी , श्री ध्वज भंडारी , ने विद्यालय के शैक्षणिक निदेशक श्री ए एल मुजूमदार , प्राचार्या डॉक्टर शिल्पा शर्मा , हेडमिस्ट्रेस श्रीमती महिमा शाह और प्री प्राइमरी कोऑर्डिनेटर श्रीमती शिखा शुक्ला के साथ किया।

कार्यक्रम में पधारे सभी अभिभावकों और अतिथियों के स्वागत में श्री प्रहलाद भंडारी ने विद्यालय की एक और शैक्षणिक संस्था भंडारी पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल खरगोन के शुभारंभ के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसडीओपी मोनिका सिंह ने सभी अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षित और समुचित परवरिश हेतु बताया कि अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार रखते हुए उन्हें सदैव सकारात्मक निर्देश और मार्गदर्शन देना चाहिए ताकि उनका उत्साहवर्धन हो । अभिभावकों को चाहिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनका पुत्र या पुत्री अपनी सारी बातें उनके साथ साझा करते हैं और बच्चे किसी भी प्रकार की चुनौती या समस्या से जूझते हैं तो वे अपने माता-पिता की सलाह लेना सर्वोपरि समझें। श्रीमती सिंह नें यह भी बताया कि माता-पिता बच्चों को गुड-टच, बेड-टच के बारे में अवश्य समझाएं ताकि वे किसी प्रकार की परेशानी में ना पड़ें। उन्होंने बेटियों को आत्मरक्षा और किशोरावस्था के अनुरुप मार्गदर्शन देने हेतू माताओं से विशेष आग्रह किया।

उन्होंने कार्यक्रम में बच्चों द्वारा दी जा रही प्रस्तुतियों की तारीफ करते हुए बताया कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को नैतिक और आध्यात्मिक रूप से पोषित कर उन्हें सक्षम बनाते हैं। इस हेतू उन्होंने विद्यालय की प्रशंसा की।

हेडमिस्ट्रेस श्रीमती महिमा शाह ने वार्षिक रिपोर्ट में प्री-प्राइमरी में आयोजित हुई गतिविधियों के बारे में बताया और अभिभावकों से मिल रहे सहयोग हेतु उनके प्रति आभार प्रकट किया ।
रंगारंग प्रस्तुतियों में माता-पिता और परिवार को समर्पित विभिन्न नृत्य के माध्यम से कक्षा नर्सरी से कक्षा यूकेजी के छात्रों ने रोचक प्रस्तुतियां दी। विद्यालय में पहली बार छात्रों की माताओं ने अपने बच्चों के साथ एक नृत्य प्रस्तुत किया जिसमें कक्षा नर्सरी के सभी छात्रों की माताओं ने अपने बच्चों के साथ मंच पर एक मनोहरी नृत्य प्रस्तुत किया और दर्शकों की तालियां बटोरी। कार्यक्रम 'केसरिया' सभी अभिभावकों ने बहुत पसंद किया और अंतिम प्रस्तुति 'हैप्पी एंडिंग' में अभिभावक भी झूमे।
कार्यक्रम का समापन विद्यालय की प्री-प्राइमरी कोऑर्डिनेटर श्रीमती शिखा शुक्ला के द्वारा आभार प्रदर्शन से हुआ।

19/01/2024

श्री राम वंदन समारोह का भव्य आयोजन

गुरुकुल स्कूल धामनोद में आज श्री राम वंदन समारोह का भव्य आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण 1992 में धामनोद से अयोध्या गए कारसेवकों का स्वागत रहा। कारसेवकों के सान्निध्य में स्कूल के संगीत शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए एक भजन जिसमें 108 बार श्री राम जी का नाम और एक श्लोकी रामायण के साथ आरंभ होता है का लॉन्चिंग भी इस कार्यक्रम में किया गया ।
कार्यक्रम का शुभारंभ श्री राम स्तुति के साथ हुआ जिसमें बच्चों ने विद्यालय के संगीत शिक्षक के निर्देशन में मधुर श्रीराम स्तुति प्रस्तुत की। उसके पश्चात हिंदी शिक्षक श्री विजय शर्मा ने कविता युक्त उद्बोधन में श्रीराम के आदर्शों को व्यक्त किया।
शिक्षिका पूजा हिरके, सोनाली दास द्वारा निर्देशित नृत्य नाटिका नें सभी छात्रों व शिक्षकों को प्रभावित किया।

26/01/2024

आज गुरुकुल स्कूल धामनोद में 75 में **गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया** । कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष श्री नरसिंह भंडारी के द्वारा ध्वजारोहण से हुआ । इसके पश्चात विद्यालय के बैंड ग्रुप की के साथ छात्रों ने अपने-अपने दलों सत्यम, शिवम, सुंदरम और महेश्वरम की गणवेश में मार्चपास्ट कर ध्वज को सलामी दी।

विद्यालय के आरके गैलेक्सी ऑडिटोरियम में सरस्वती वंदना के बाद विद्यालय प्रबंधन के सदस्यों ने विद्यालय के आगामी वर्ष हेतु प्रवेश प्रक्रिया आरंभ की घोषणा के अंतर्गत नवीन प्रोस्पेक्टस का विमोचन किया। इस अवसर पर सत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया जिसमें प्रार्थना सभा के दौरान सबसे अधिक सवालों के जवाब देने हेतु विज्ञान प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले , खेलों, संगीत, नृत्य आदि में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले छात्रों का भी सम्मान किया गया। वहीं दूसरी ओर विद्यालय की बसों के ड्राइवर और क्लीनर जिन्होंने अपनी बसों की सही रख रखाव और अच्छा एवरेज मेंटेन करने वाले ड्राइवरों का भी सम्मान किया गया विद्यालय इन कार्यक्रमों के पश्चात धामनोद नगर में आयोजित रैली में विद्यालय के सभी शिक्षकों और छात्रों ने हिस्सा लिया और नगर में राष्ट्रभक्ति के नारे लगाते हुए देशभक्ति के प्रति अपना संकल्प प्रकट किया विद्यालय के सीईओ ने सभी नगर वासियों और देशवासियों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की।

07/02/2024,

कक्षा बारहवीं के छात्रों के लिये विदाई समारोह

गुरुकुल स्कूल, धामनोद के कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों नें रंगारंग कार्यक्रम के माध्यम से कक्षा बारहवीं के छात्रों के लिये विदाई समारोह के आयोजन के साथ उन्हें आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के आर के गैलेक्सी ऑडिटोरियम में हुआ। विद्यालय के सीईओ श्री प्रह्लाद भण्डारी , प्रबंधन सदस्य श्रीमती सीमा भण्डारी , श्री ध्वज भण्डारी , श्रीमती प्रियल भण्डारी , शैक्षणिक निदेशक श्री ए एल मजूमदार ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का आरम्भ किया।इस

दौरान भण्डारी पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल खरगोन के प्राचार्य श्री स्वप्न सिन्हा भी मौजूद रहे। कक्षा 11वीं के छात्रों ने तिलक और पुष्पवृष्टि से कक्षा 12वीं के छात्रों का स्वागत किया। तत्पश्चात रुचिकर खेलो संगीत नृत्य कविता आदि के माध्यम से मनोरंजन करते हुए अपने सीनियर्स का सम्मान किया और उनके भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रकट की। विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती भावना लाड़ ने कविता के माध्यम से छात्रों को प्रेरित किया और प्रतिस्पर्धा में आत्मविश्वास से तैयारी करने हेतु प्रेरित किया। विद्यालय के सीईओ श्री प्रहलाद भंडारी ने भी इस अवसर पर छात्रों से अपील की कि वह परीक्षा है के दौरान तनाव न लेते हुए अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में रहते हुए पढ़ाई करें । इस अवसर पर कक्षा 12वीं के छात्रों की विशिष्ट उपलब्धियों हेतू सम्मानित किया और लगभग सभी छात्रों को विभिन्न उपनामों से अलंकृत करते हुए उन्हें भी सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम के अंत में सहभोज दिया गया ।

Sketches by Hriday Kureel 7th A

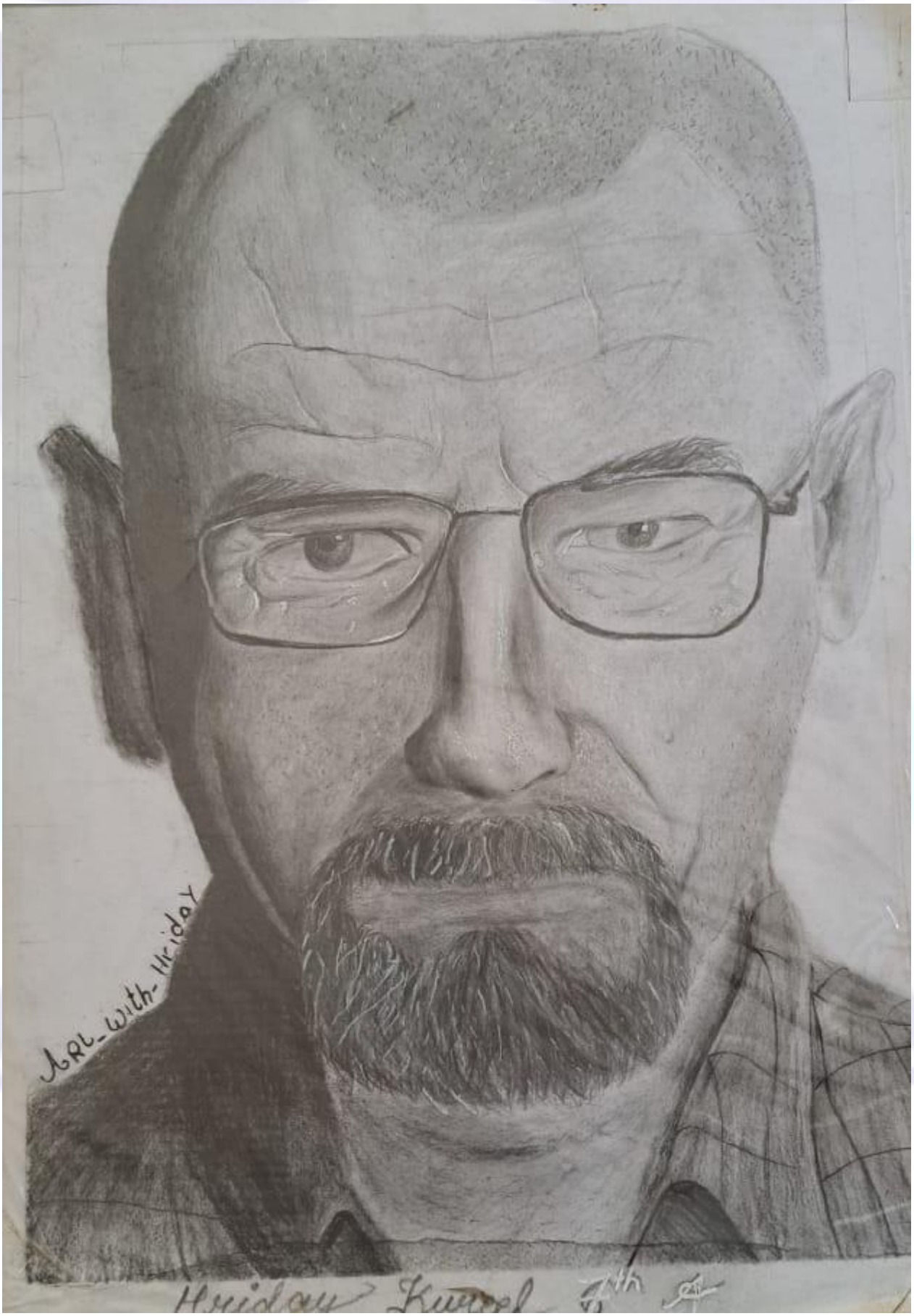
Art_with_Hridoy
Hridoy Kumar

Hriday Kureel 7th A

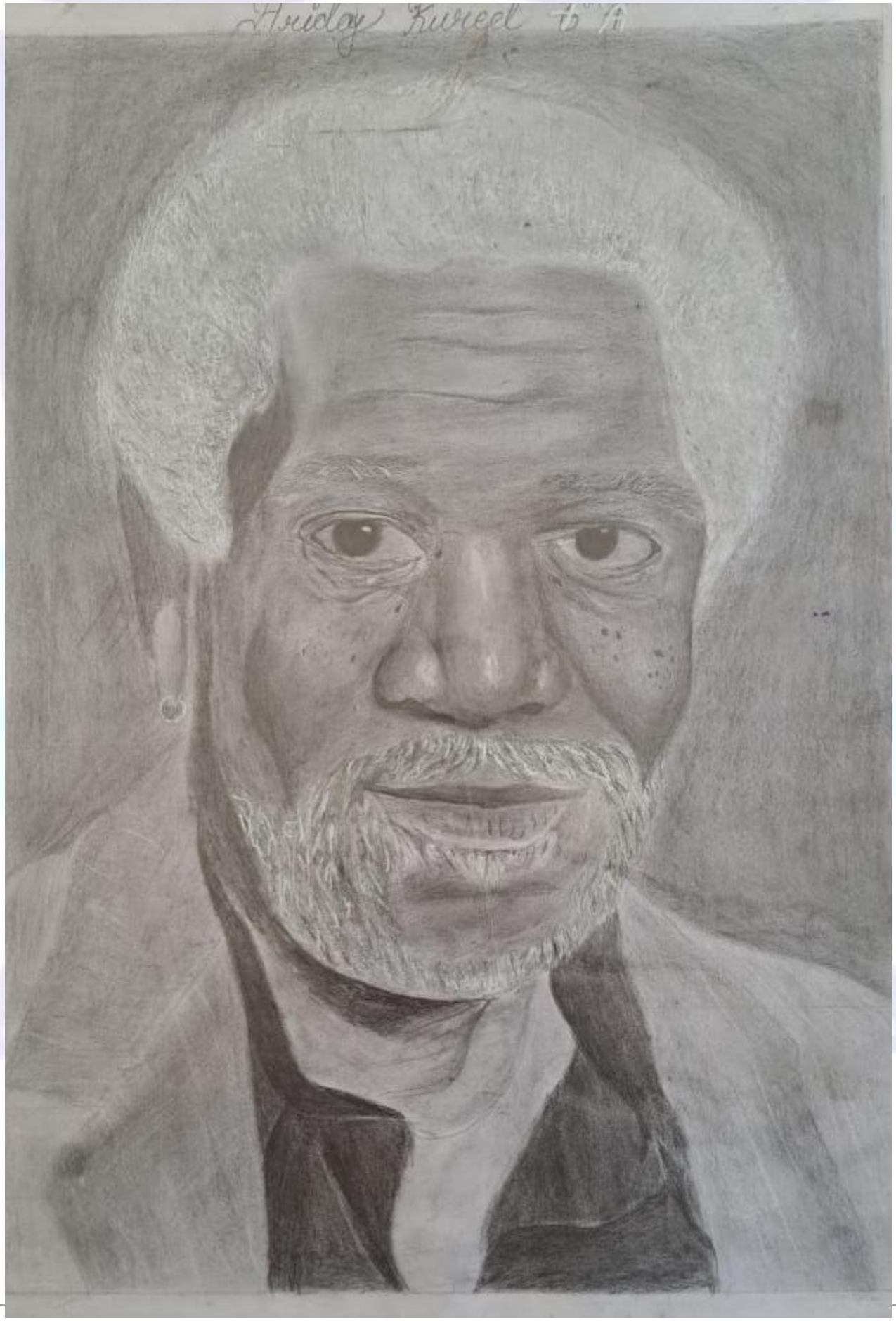

Art_With_Friday

Sketch by Jayshree 7th C

Sketch by
Ridhi Patidar 5 Lotus

Name-
Charvi
Patidar
Class-
4th Tulip
House- Shivam

Sketch by

Pratham Goyal X D

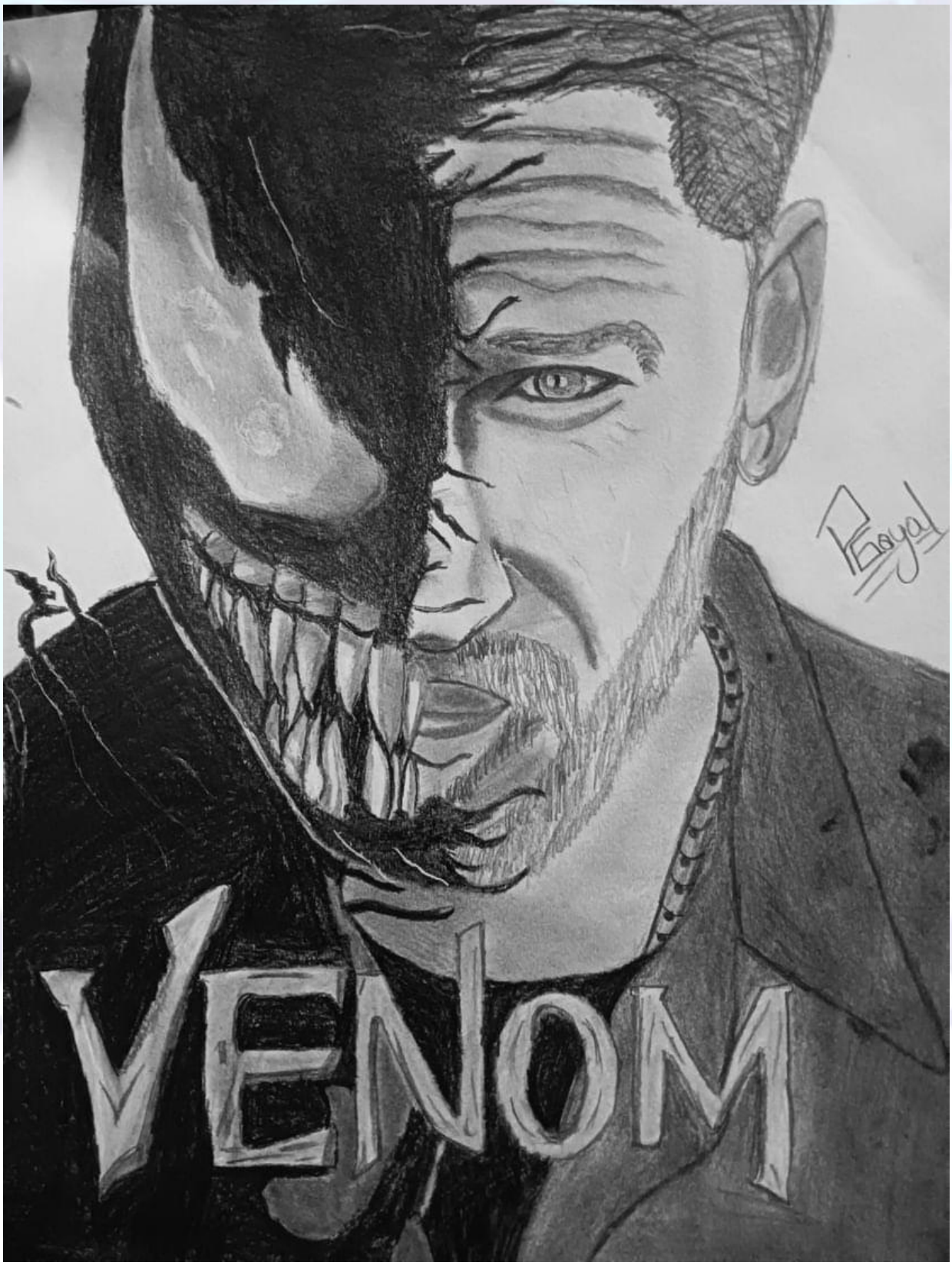

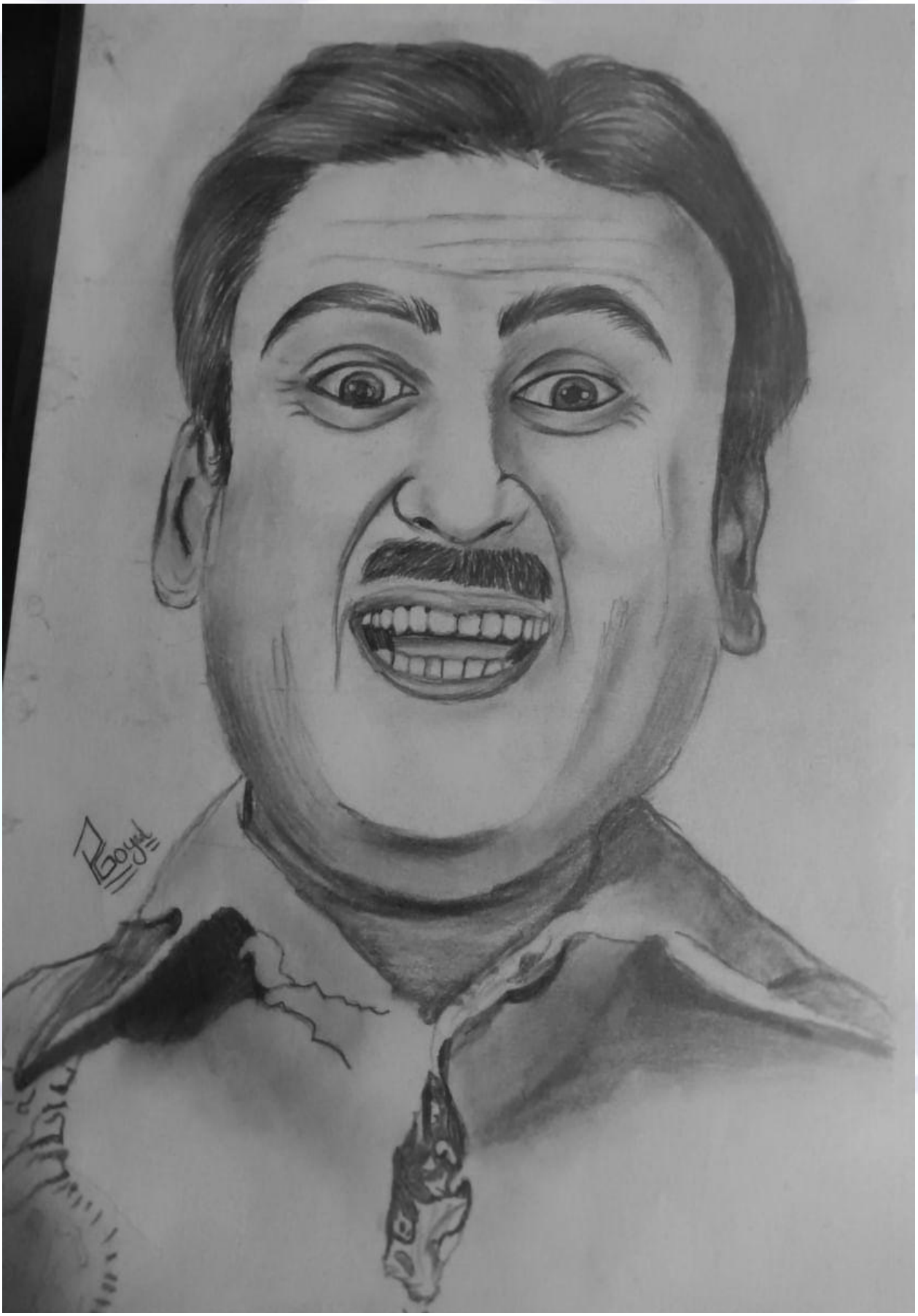

R Goyal

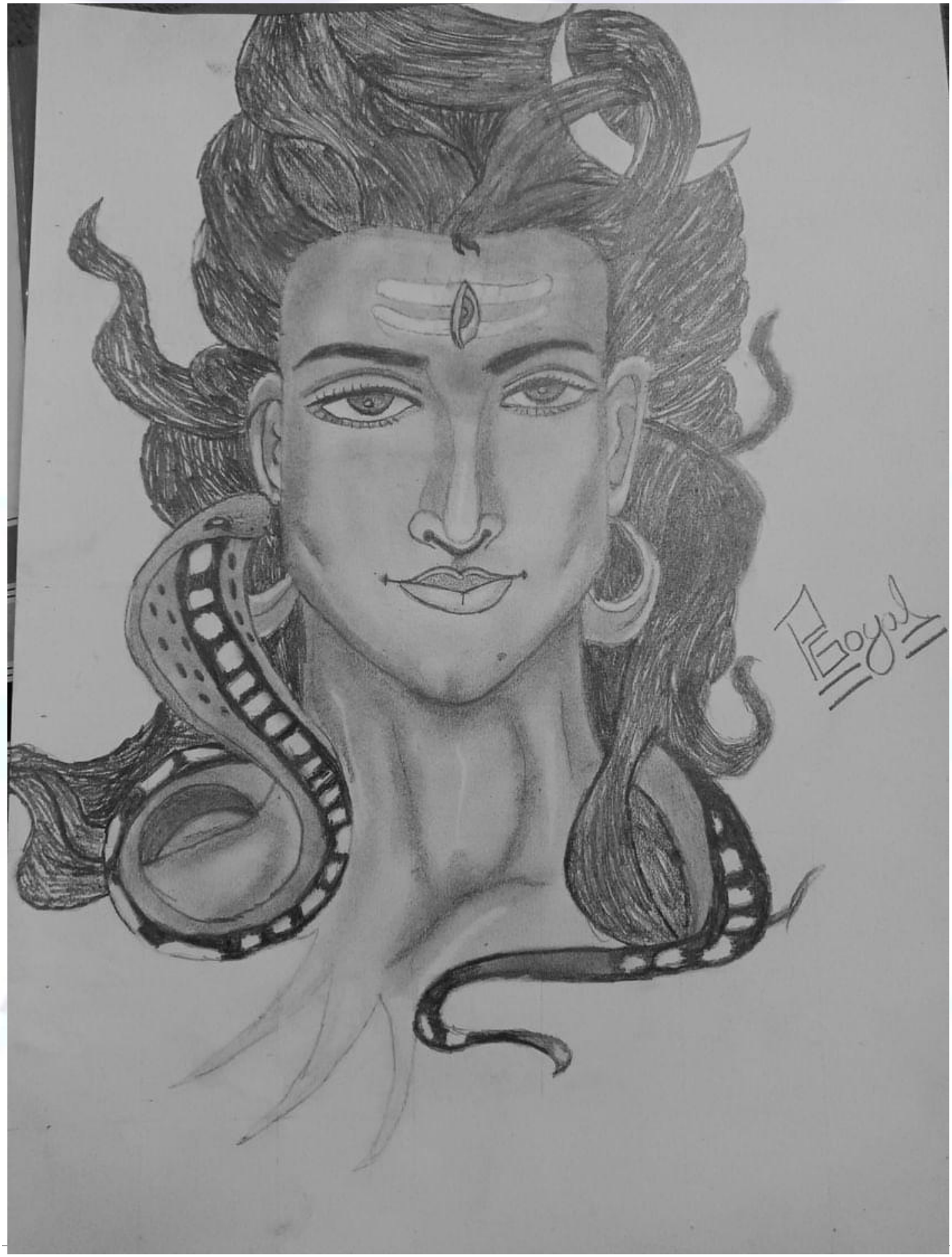

Opening from Session 2024-25

BHANDARI PUBLIC INTERNATIONAL SCHOOL

Rajpura Road, Khargone Mobile No.7898984244